राज्यपाल ने कहा - लोकपर्व मनाने अपने गांव आएं प्रवासी, उत्तराखण्ड को सांस्कृतिक राजधानी बनायें

'एक शाम भैलो देव दीपावली के नाम' उत्सव में सम्मिलित हुए राज्यपाल महोदय

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने देहरादून रिंग रोड में आयोजित कार्यक्रम "एक शाम भैलो इगास बूढ़ी दीपावली-देव दीपावली के नाम" में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया।

राज्यपाल महोदय ने देश और दुनियाभर में रहने वाले उत्तराखण्ड के प्रवासी लोगों से अपील की है कि वे अपने लोकपर्व अपने गांवों में मनाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि हमें अपनी जड़ों के साथ जुड़ना बहुत आवश्यक है। मुझे इस दिशा में उत्तराखण्ड के युवाओं से बहुत सी उम्मीदें हैं। मुझे आशा है कि उत्तराखण्ड की नयी पीढ़ी रिवर्स माइग्रेशन के लिए कार्य करेगी। वे अपने घर-गांवों में इनोवेशन, टेक्नॉलॉजी तथा डिजिटल मार्केटिंग के माध्यम से स्थानीय उत्पादों पर आधारित स्वरोजगार को बढ़ाने का प्रयास करें। राज्यपाल महोदय ने कहा कि उत्तराखण्ड के त्यौहारों और परम्पराओं की एक अलग ही सुंगध है। आज दुनियाभर के पर्यटक इसे देखने के लिए तरसते रहते हैं। हमें इस क्षेत्र में ऐसा उत्कृष्ट कार्य करना है कि दुनियाभर के लोग इसे देखने आयें। इससे उत्तराखण्ड ग्लोबल मैप में कल्चरल टूरिज्म का एक बड़ा हब बनकर उभरेगा। पूरी दुनियां हमारी संस्कृति, परम्पराओं एवं ग्रामीण जीवन को समझेगी।

प्रदेशवासियों को इगास की बधाई देते हुए राज्यपाल महोदय ने कहा कि परम्पराएं एवं संस्कृति बहुत महत्वपूर्ण है। हमें अपनी परम्पराओं, रीति रिवाजों, संस्कृति को जानना और समझना होगा। उनका सम्मान करना होगा। हमारी सुन्दर परम्पराओं में क्या गहराई तथा विजन है, इसको समझना होगा। इसे नयी पीढ़ी को भी बताना होगा। राज्यपाल ने कहा कि हमारी अनूठी परम्पराएं हमें समरसता की ओर ले जाती हैं। हमें आपस में जोड़ती हैं। हमें अपनी जड़ों की ओर ले जाती हैं। हमारी परम्पराएं एवं संस्कृति हमारे पूर्वजों की देन है। इन्हें आगे तक ले जाना हमारी जिम्मेदारी है। अपनी परम्पराओं एवं संस्कृति का संरक्षण तथा अगली पीढ़ी को सौंपना भी बड़ा महत्वपूर्ण है। दुनिया को भी पता लगना चाहिए कि हमारी

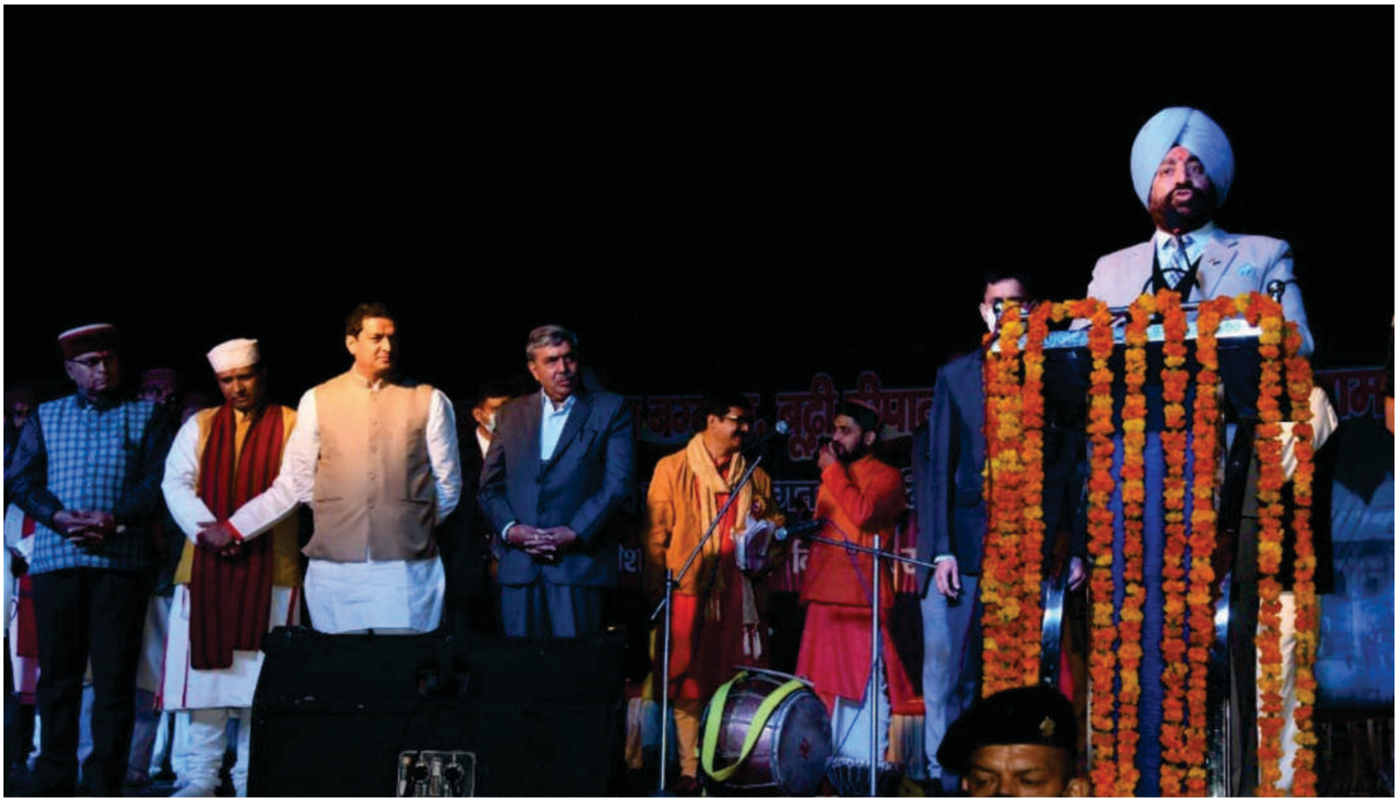

देव दीवाली कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल महोदय

राज्यपाल महोदय कार्यक्रम का अवलोकन करते हुए

समृद्ध परम्पराओं के पीछे कितनी सुन्दर सोच है। हमारी सभ्यता, संस्कृति का असली इतिहास इन्हीं में हैं।

राज्यपाल ने कहा कि भगवान श्रीराम के अयोध्या वापस आने की सूचना उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों में दीपावली के ग्यारह दिन बाद मिली तो यहां के लोगों ने एकादशी को ही इगास या दीपावली मनाई। इससे पहाड़ की चुनौतियों का भी पता चलता है। उन्होंने कहा कि जब हम अपने त्यौहार, उत्सव अपने परिवार, गांव और अपने लोगों के बीच में मनाते हैं तो उसकी खुशी और आनंद की कोई सीमा नहीं होती है।

राज्यपाल ने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि राज्यसभा सांसद श्री अनिल बलूनी जी ने एक अच्छा इनिशिएटिव लिया है। वह पिछले तीन-चार सालों से पौड़ी जिले में अपने पैतृक गांव में इगास का त्यौहार अपने परिवार और गांवा वालों के साथ मनाते हैं। यह सभी उत्तराखण्डवासियों के लिए प्रेरणादायक है। उत्तराखण्ड के स्थानीय उत्पादों एवं हस्तशिल्पों को ब्राण्ड के रूप में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों में स्थापित करने का प्रयास करें।

राज्यपाल ने कहा कि कोविड-19 के दौर ने लोगों को उन्हें अपनी जड़ों से जुड़ने का भी मौका दिया। बहुत से प्रवासी उत्तराखण्डी लॉकडाउन के समय अपने गांव-घरों में लौटे। वे अपनी जड़ों से जुड़े। अब उनकों यहां पर ही सफलता दिखाई देती है। वे इन्टरप्रिन्योरशिप तथा माइक्रो फाइनेंसिंग के माध्यम से अच्छा कार्य कर रहे हैं। ऐसे लोगों ने सभी को प्रभावित किया है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि 15 नवम्बर को बिरसा मुंडा जी की जयन्ती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। दुनियाभर में सबसे गहरी और सुन्दर संस्कृति जनजातियों की है। हमारे उत्तराखण्ड में भी जौनसारी, भोटिया, बोक्सा, राजी एवं थारू जनजातियो के लोगों ने अपनी जीवंत और सुन्दर संस्कृति को बनाये रखा है। विशेषकर जौनसार क्षेत्र के अति सुन्दर काष्ठकला से बने घर और मन्दिर, आकर्षक पहनावें, गीत-संगीत, नृत्य और समृद्ध परम्पराएं अपनी एक विशेष पहचान रखती हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि हाल ही में उन्होंने पौड़ी तथा टिहरी जिलों का दौरा किया। पहाड़ों के लोगों से मिलने का अलग ही आत्मिक अनुभव है। पहाड़ी गांवों की महिलाओं की क्षमता, लगनशीलता, परिश्रम, विश्वसनीयता और जिम्मेदारियां अलग ही हैं। उत्तराखण्डवासियों की बात ही अलग है। यहां से गंगा जी, यमुना जी निकलती हैं। यहां की जल, वायु, सोच-विचार, त्यौहार, परम्पराएँ एक अलग ही संदेश देश और दुनिया को देती हैं।

इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने शहीदों के आश्रितों तथा वीर नारियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद श्री अनिल बलूनी, कैबिनेट मंत्री डॉ. हरक सिंह रावत, विधायक श्री खजान दास तथा श्री उमेश शर्मा काऊ भी उपस्थित थे।

समारोह में आयोजित विशिष्ट विभूमियों से भेंट करते राज्यपाल

राज्यपाल ने कहा - जनजातीय संस्कृति पर्यावरण और लोक कलाओं की हितैषी

राजभवन में राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर सम्मान कार्यक्रम का आयोजन

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने उत्तराखण्ड के जनजातीय क्षेत्रों के युवाओं का आह्वान किया है कि वे अपनी संस्कृति, उत्पादों तथा शिल्पों की सोशल मीडिया, मास मीडिया के माध्यम से ब्राण्डिंग, इमेजिंग और मार्केटिंग करें। उत्तराखण्ड के जनजातीय क्षेत्र विशेषकर जहां भोटिया, थारू, बुक्सा, जौनसारी लोग रहते हैं, पर्यटकों के लिए कल्चरल टूरिज्म के बड़े हब के रूप में स्थापित हो सकते हैं। राज्य के जनजातीय समुदायों के स्थानीय ज्ञान व अनुभवों पर विश्वविद्यालयों में शोध किया जाना चाहिए। नई पीढ़ी को जनजातीय समुदायों के इतिहास, संस्कृति, कलाओं व जीवन को जानना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि जनजातीय समुदायों का स्थानीय ज्ञान व अनुभव एक धरोहर है। उनकी संस्कृति सबसे सुन्दर है। जनजातीय समुदायों की पर्यावरण हितैषी परम्पराएं आज पूरे विश्व में अनुकरणीय हैं।

राज्यपाल महोदय ने राजभवन में राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर जनजाति क्षेत्र में किये गये उत्कृष्ट कार्यों के लिए एकलव्य

मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल, कालसी के प्राचार्य, उप प्राचार्य तथा छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल कालसी के प्राचार्य डॉ. गिरीश चन्द्र बडोनी, उप-प्राचार्य श्रीमती सुधा पैन्यूली तथा इस विद्यालय के विद्यार्थी योगेश कुमार, सोनम चौहान, अंशुल चौहान, अजय राठौर, प्रवीण वर्मा को सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि यह सभी मेधावी छात्र-छात्राएं बुक्सा तथा जौनसारी जनजातीय क्षेत्र से हैं तथा देश के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में अध्ययनरत हैं। राज्यपाल ने हाल ही में पदमश्री से सम्मानित जौनसार क्षेत्र के निवासी श्री प्रेमचन्द शर्मा को भी सम्मानित किया।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि जनजातीय समुदायों से प्राकृतिक संसाधनों एवं पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा मिलती है। आज क्लाइमेट चेंज व ग्लोबल वार्मिंग के चुनौतीपूर्ण समय में जनजातीय समुदायों की पर्यावरण हितैषी संस्कृति एवं परम्पराओं का महत्व बढ़ा है। जनजातीय समुदायों एवं ग्रामीण लोगों की रूरल जीनियस व स्थानीय ज्ञान अमूल्य धरोहर है। हमें इसे संरक्षित करने तथा सीखने की जरूरत है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि 15 नवम्बर को बिरसा मुंडा जी की जयन्ती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। भगवान बिरसा मुंडा ने सन् 1875 के चुनौतीपूर्ण समय में जनजातीय समाज के गौरव के लिए ब्रिटिश साम्राज्य से संघर्ष किया तथा शहादत दी। राज्यपाल ने कहा कि दुनियाभर में सबसे गहरी और सुन्दर संस्कृति जनजाति समुदायों की है। उत्तराखण्ड के जनजातीय समुदायों की संस्कृति, गीत-संगीत, नृत्य और समृद्ध परम्पराएं अपनी एक विशेष पहचान रखती हैं। जनजातीय संस्कृति का सरंक्षण एवं संवर्धन किया जाना चाहिए। वे विश्वभर के पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बन रही हैं।

इस अवसर पर सचिव श्री राज्यपाल डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा, अपर निदेशक जनजाति कल्याण श्री योगेन्द्र रावत, शोध अधिकारी श्री राजीव सोलंकी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस समारोह के प्रतिभागियों को सम्मानित करते राज्यपाल

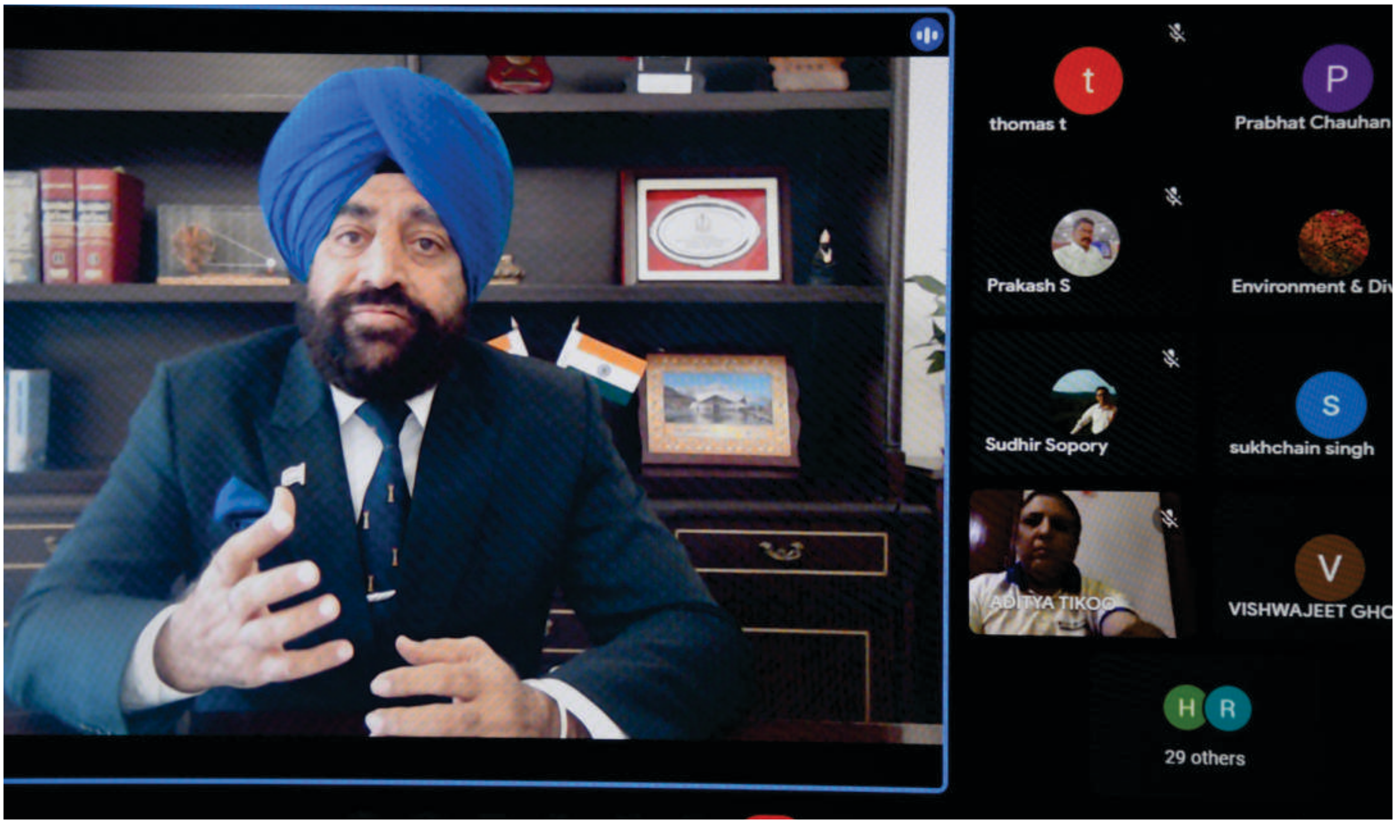

वीडियों कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय जल सुरक्षा एवं जलवायु परिवर्तन सम्मेलन 2021 को संबोधित करते हुए राज्यपाल ले ज गुरमीत सिंह (से नि)

राज्यपाल ले ज गुरमीत सिंह (से नि)से राजभवन में राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान, देहरादून के प्रभारी उप निदेशक श्री कमल वीर सिंह जग्गी एवं प्रतिनिधियों ने शिष्टाचार भेंट की

राज्यपाल ले ज गुरमीत सिंह (से नि) से राजभवन में गुरूद्वारा श्री गुरू सिंह सभा, आढ़त बाजार के अध्यक्ष श्री गुरूबक्श सिंह राजन ने शिष्टाचार भेंट की

राज्यपाल ले ज गुरमीत सिंह (से नि)से राजभवन में उत्तराखण्ड अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री आर.के. जैन ने शिष्टाचार भेंट की

राज्यपाल ने कहा - प्रत्येक तहसील में छात्र-छात्राओं के हित के लिए कैरियर काउन्सलिंग फेस्टिवल आयोजित किये जाएं

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने उत्तराखण्ड के सीमान्त एवं दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले छात्र-छात्राओं को गांव, ब्लॉक व तहसील स्तर पर ही बेहतर कैरियर काउन्सलिंग की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए योजना बनाने के निर्देश दिये। राज्यपाल दिसम्बर माह में कक्षा 11वीं तथा 12वीं के छात्र-छात्राओं हेतु दो दिवसीय कैरियर काउन्सलिंग फेस्टिवल का शुभारम्भ डीडीहाट से करेंगे तथा छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद करेंगे। राज्यपाल महोदय ने इस संबंध में राजभवन में बैठक ली और फेस्टिवल के आयोजन से जुड़े फाउण्डेशन एवं अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। भविष्य में राज्य के प्रत्येक तहसील में कैरियर काउन्सलिंग फेस्टिवल आयोजित किये जाएंगे।

श्रद्धा-भक्ति से मनाया गया गुरु पर्व

गुरुद्वारा पहुँचे राज्यपाल

राज्यपाल महोदय गुरु पर्व के अवसर पर प्रेमनगर, देहरादून स्थित श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा पहुंचे और मत्था टेका। उन्होंने कीर्तन कार्यक्रम में प्रतिभाग कर उपस्थित साध संगत को गुरु पर्व की शुभकामनाएं दी। इस अवसर राज्यपाल ने उपस्थित लोगों से अपील की कि किसी भी समस्या के समाधान के लिए वे सीधे राजभवन में सम्पर्क कर सकते हैं।

इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने प्रधानमंत्री जी का करतारपुर साहिब कोरिडोर के पुन: खोलने के निर्णय पर उत्तराखण्ड सरकार तथा सिक्ख समाज की ओर से आभार व्यक्त किया है।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल महोदय ने कहा कि गुरु नानक देव जी के ज्ञान का प्रकाश आज भी पूरी मानवता को प्रकाशित कर रहा है। गुरु नानक देव जी ने मानवता, विश्व बन्धुत्व, एकता और सेवा का संदेश दिया। उन्होंने पूरी मानवता को एकसूत्र में बांध दिया। राज्यपाल महोदय ने कहा कि हर सिक्ख में गुरु गोबिन्द सिंह जी का डीएनए, रक्त और सोच-विचार है। उनके 'निश्चय कर अपनी जीत करो' के मंत्र के मार्ग पर चलकर बड़े से बड़ा लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। निडरता, साहस मानवता, सेवा और करुणा सिक्खों को विरासत में मिले हैं। आज पूरे सिक्ख समुदाय ने निस्वार्थ मानवसेवा के कार्यों द्वारा दुनियाभर में मिसाल पेश की है।

सिक्खों ने विश्व को मार्ग दिखाया है कि मानवता की सेवा, धर्म, जाति, भाषा एवं क्षेत्र की सीमाओं से परे है। कोविड काल में सिक्खों द्वारा किए गए सेवा और सहायता के कार्यों को पूरी दुनिया ने देखा। राज्यपाल महोदय ने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड के राज्यपाल का उत्तरदायित्व मिलना उनके लिए गर्व का विषय है। यह नानक नाम लेवा समाज, सिख समाज का साझा सम्मान है।

राज्यपाल महोदय ने गुरु पर्व के इस पवित्र अवसर पर अनाथालय में रहने वाली सिक्ख बालिकाओं की शिक्षा एवं भरण पोषण के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा की। राज्यपाल ने कहा कि वे बालिकाओं की एनडीए, सीडीएस, सिविल सेवाओं में अधिकाधिक भागीदारी चाहते हैं। इसके लिये वे नि:शुल्क कोचिंग सुविधाएं उपलब्ध करवाने वाले संस्थानों को प्रोत्साहित करेंगे।

इस अवसर पर गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी, प्रेमनगर के अध्यक्ष श्री भगत पाल सिंह, अन्य सदस्य एवं सिक्ख श्रद्धालु उपस्थित थे।

गुरु पर्व पर संगत को संबोधित करते हुए राज्यपाल महोदय

राज्यपाल केंद्रीय रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से मिले

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) केंद्रीय रेल, संचार, इलेक्ट्रोनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से नई दिल्ली स्थित उनके आवास पर मिले। राज्यपाल महोदय ने केंद्रीय मंत्री से वार्ता करते हुए कहा कि भारतनेट परियोजना चरण-II, सीमावर्ती क्षेत्रों में मोबाइल कनेक्टिविटी, संचार के सुरक्षित मोड के लिए ओएफसी अवसंरचना, सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल और आईटी क्षेत्र में निरंतर विकास सुनिश्चित करने और अधिकतम ई स्टेटस प्राप्त करने के लिए अभिनव रोड मैप पर तत्काल और रणनीतिक कार्यवाही की जानी चाहिए।

सीमा सड़क संगठन के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल राजीव चौधरी ने राज्यपाल महोदय से भेंट की

दिल्ली प्रवास के दौरान उत्तराखण्ड सदन, नई दिल्ली में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल राजीव चौधरी ने राज्यपाल महोदय से भेंट की। बीआरओ के महानिदेशक ने उत्तराखण्ड के सीमांत क्षेत्रों में सड़क कनेक्टिविटी के विस्तार पर चर्चा की। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने बीआरओ द्वारा राज्य के सीमांत क्षेत्रों में विषम परिस्थितियों में आधारभूत संरचना के विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की।

राज्यपाल महोदय ने बीआरओ द्वारा राज्य के पीपलकोटी में महिला आरसीसी हेड-नियुक्त करने की प्रशंसा की। राज्यपाल ने महानिदेशक, सीमा सड़क संगठन लेफ्टिनेंट जनरल राजीव चौधरी को उत्तराखण्ड आने का निमंत्रण दिया। राज्यपाल ने कहा कि बीआरओ के प्रयासों से उत्तराखण्ड में रिवर्स माइग्रेशन को प्रोत्साहन मिल रहा है।

पूर्व एयर चीफ मार्शल बीरेंद्र सिंह धनोआ ने राज्यपाल से मुलाकात की

राजभवन देहरादून में राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) से पूर्व एयर चीफ मार्शल बीरेंद्र सिंह धनोआ ने मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ रिमकोलियन ओल्ड ब्यॉज एसोसिएशन के सचिव, ग्रुप कैप्टन दीपक अहलूवालिया भी थे।

राज्यपाल महोदय तथा पूर्व एयर चीफ मार्शल ने राष्ट्र विकास में पूर्व आरआईएमसी छात्रों के योगदान सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। राज्यपाल ने कहा कि आरआईएमसी देहरादून द्वारा उत्कृष्ट कार्य किए जा रहे हैं। उन्हें आरआईएमसी के अधिकारियों पर सदैव गर्व है। पूर्व एयर चीफ मार्शल ने जानकारी दी कि आरआईएमसी 13 मार्च 2022 को अपनी शताब्दी वर्षगांठ मनाएगा।

गौरतलब है कि राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) तथा पूर्व एयर चीफ मार्शल बीरेंद्र सिंह धनोआ एनडीए में एक साथ थे और सैन्य प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में एक साथ चीन भी गए थे। राज्यपाल ने कहा कि उन्हें एक सैनिक से मिलकर बहुत अच्छा लगा।

रियर एडमिरल लोचन सिंह पठानिया ने राज्यपाल से भेंट की

राजभवन देहरादून में राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) से ज्वाइंट चीफ हाइड्रोग्राफर रियर एडमिरल लोचन सिंह पठानिया ने भेंट की और भारत सरकार के मुख्य हाइड्रोग्राफर वाइस एडमिरल अधीर अरोड़ा की ओर से राज्यपाल महोदय को 4 दिसंबर 2021 को नेशनल हाइड्रोग्राफिक ऑफिस, देहरादून में होने वाले नौ सेना सप्ताह 2021 के अवसर पर "एट होम" कार्यक्रम के लिए निमंत्रण दिया।

विधानसभा अध्यक्ष श्री प्रेमचंद अग्रवाल ने राज्यपाल महोदय से भेंट की

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से विधानसभा अध्यक्ष श्री प्रेमचंद अग्रवाल ने राजभवन में शिष्टाचार भेंट की। संविधान दिवस की पूर्व संध्या पर राज्यपाल महोदय को विधानसभा अध्यक्ष ने संविधान दिवस की बधाई दी। इस अवसर पर राज्यपाल तथा विधानसभा अध्यक्ष ने आने वाले विधानसभा सत्र के विषय पर चर्चा की।

बाबा जसवंत सिंह रावत की बहन श्रीमती राजेश्वरी नेगी तथा श्रीमती रेनू बिष्ट ने राज्यपाल महोदय से भेंट की

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) से राजभवन में बाबा जसवंत के नाम से प्रसिद्ध अमर शहीद महावीर चक्र विजेता राइफलमैन जसवंत सिंह रावत की बहनों श्रीमती राजेश्वरी नेगी तथा श्रीमती रेनू बिष्ट ने भेंट की। गौरतलब है कि राज्यपाल महोदय ने पिछले दिनों एक कार्यक्रम में बाबा जसवंत के परिजनों को सम्मानित किया था तथा उन्हें राजभवन आमंत्रित किया था। राज्यपाल ने आग्रह किया है कि राज्य के शहीद सैनिक, उनके परिजन तथा भूतपूर्व सैनिक आवश्यकता पड़ने पर राज्यपाल से सीधा संपर्क कर सकते हैं।

राज्यपाल महोदय से राजभवन में आर्मी कमांडर वेस्टर्न कमांड लेफ्टिनेंट जनरल योगेन्द्र डिमरी ने भेंट की

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) से राजभवन में भेंट करते पूर्व आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल विजय कुमार अहलूवालिया

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) राजभवन में केरल के राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान के मध्य शिष्टाचार भेंट हुई

संविधान दिवस के अवसर पर राज्यपाल ने कहा - संविधान हमारा मार्गदर्शक

संविधान दिवस के अवसर पर सिद्धार्थ लॉ कॉलेज में माननीय राज्यपाल महोदय का सम्बोधन

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को संविधान के अनुच्छेद 51 ए में वर्णित मौलिक कर्तव्यों को अवश्य पढ़ना, समझना तथा पालन करना चाहिए। युवाओं को सोशल मीडिया व मास मीडिया के माध्यम से नागरिक कर्तव्यों का प्रचार-प्रसार करना चाहिए। अधिकारों और कर्तव्यों का संतुलन बेहद जरूरी है। राज्यपाल ने कहा कि कानून का अध्ययन करने वाले युवाओं को भविष्य में अपने कानूनी कार्यक्षेत्र में राष्ट्र, समाज और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। किसी भी संशय की स्थिति में भारत का संविधान ही हमारा सबसे बड़ा मार्गदर्शक है।

राज्यपाल महोदय ने संविधान दिवस के अवसर पर सिद्धार्थ लॉ कॉलेज में मूल भारतीय संविधान की प्रतिलिपि का विमोचन किया। राज्यपाल ने कहा कि भारतीय संविधान में गुरु नानक देव जी का एकता के सूत्र में बांधने वाला एकम मंत्र तथा गुरु गोबिन्द सिंह जी के 'देह शिवा बरू मोहि इहै, सुभ करमन ते कबहूं न डरों' का मूलमंत्र भी निहित है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल महोदय ने कहा कि संविधान की पवित्र पुस्तक के प्रत्येक शब्द, प्रत्येक विराम चिह्न, प्रत्येक पृष्ठ से हमारी सभ्यता, संस्कृति व इतिहास का गहरा ज्ञान प्रकट होता है। संविधान की प्रस्तावना में ही भारतीयता का जुनून है। प्रस्तावना हम भारतीयों को मैं की भावना से हम में बदल देती है, इसमें अलग ही उत्साह है। भारतीय संविधान के निर्माण के पीछे महामनीषियों का अथक परिश्रम, लगन और समर्पण है। यह वास्तव में एक पवित्र ग्रन्थ है। संविधान ने हमें एक किया है। हमें आपस में एक दूसरे के साथ जोड़ा है। इसने धर्म, जाति, भाषा व क्षेत्र की सभी असमानताओं से हमें मुक्त किया है। हमारे संविधान का प्रत्येक शब्द, प्रत्येक कौमा, विराम चिह्न महत्वपूर्ण है। सभी नागरिकों को संविधान का अध्ययन जरूर करना चाहिए। मॉस मीडिया तथा सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों में संविधान के प्रति जागरूकता बढ़ाई जानी चाहिए। बहुत सी सामाजिक समस्याओं का समाधान भारतीय संविधान में निहित है। बच्चों को प्रारम्भिक शिक्षा के समय से ही भारतीय संविधान की जानकारी दी जानी चाहिए।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि संविधान दिवस भारत के संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा, निष्ठा और प्रतिबद्धता प्रकट करने के संकल्प को जागृत रखने का महत्वपूर्ण अवसर है। डॉ. अम्बेडकर जी की विलक्षण प्रतिभा, कठोर परिश्रम और महान विचारों की व्यापकता से, एक लोक कल्याणकारी संविधान की मजबूत संरचना संभव हुई थी।

भारत का यह पवित्र संविधान, हमें अपने नागरिकों पर विश्वास व्यक्त करता है, और, नागरिकों को पर्याप्त उन्मुक्तियाँ प्रदान करता है। संविधान निर्माता यदि चाहते तो, इसे कठोर बना सकते थे, किन्तु उनकी भारत के नागरिकों के प्रति जताये गये विश्वास का परिणाम था, कि उन्होंने, संविधान को लचीला स्वरूप प्रदान कर, उन्मुक्तियों के साथ ही कर्तव्य का बोध कराया।

इस अवसर पर राज्यपाल के विधि परामर्शी श्री अमित सिरोही, सिद्धार्थ लॉ कॉलेज के निदेशक जस्टिस के.डी. शाही (रि), सिद्धार्थ ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूट के अध्यक्ष श्री दुर्गा वर्मा, शिक्षक एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

संविधान दिवस पर सिद्धार्थ लॉ कालेज के छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.)

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (से.नि.) श्री गुरमीत सिंह से राजभवन में आई एम ए कमाण्डेंट, लेफ्टिनेंट जनरल हरिन्दर सिंह ने भेंट की

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (से.नि.) श्री गुरमीत सिंह से राजभवन में लेखक श्री शीषपाल गुसांई ने मुलाकात कर भारत के सबसे बड़े सस्पेंशन पुल 'डोबरा-चांठी की गाथा' पुस्तक की प्रति भेंट की

पतंजलि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल महोदय ने कहा - नई शिक्षा नीति में भारत को सुपर पावर बनाने का लक्ष्य

हरिद्वार स्थित पतंजलि विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द के साथ राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की। इस अवसर पर , मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति स्वामी रामदेव, कुलपति आचार्य बालकृष्ण, संकाय अध्यक्षा डॉ. साध्वी देवप्रिया भी उपस्थित थी।

राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द ने कहा कि आधुनिक विज्ञान के साथ हमारी परंपरा की प्रासंगिक ज्ञान-राशि को जोड़ते हुए भारत को नॉलेज सुपर पावर बनाने का जो लक्ष्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने निर्धारित किया है, उस मार्ग पर पतंजलि विश्वविद्यालय अग्रसर है। उन्होंने पुरस्कार प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं तथा स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी की उपाधियां प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राष्ट्रपति श्री कोविंद ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड में हरिद्वार की पावन धरती पर रहने का और शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलना बड़े सौभाग्य की बात है। पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति स्वामी रामदेव जी ने योग की लोकप्रियता को बढ़ाने में अभूतपूर्व योगदान दिया है। भारत सरकार के प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 2015 में प्रतिवर्ष 21 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। ऐसे प्रयासों के परिणामस्वरूप सन 2016 में 'योग' को यूनेस्को द्वारा 'विश्व की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर' की सूची में शामिल किया गया है। राष्ट्रपति ने क्यूबा का उदाहरण देते हुए कहा कि योग को विश्व के हर क्षेत्र और विचारधारा के लोगों ने अपनाया है। राष्ट्रपति ने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय द्वारा जो प्रयास किए जा रहे हैं, उनसे भारतीय ज्ञान-विज्ञान, विशेषकर आयुर्वेद तथा योग को आधुनिक परिप्रेक्ष्य में विश्व-पटल पर गौरवशाली स्थान प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। मुझे यह देखकर प्रसन्नता होती है कि पतंजलि समूह के संस्थानों में भारतीयता पर आधारित उद्यमों और उद्यम पर आधारित भारतीयता का विकास हो रहा है।

राष्ट्रपति ने उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि आलस्य और प्रमाद को त्याग कर आप सब योग-परंपरा में उल्लिखित' अन्नमय कोश', 'मनोमय कोश' और 'प्राणमय कोश' की शुचिता हेतु सचेत रहेंगे। और 'विज्ञानमय कोश' और 'आनंदमय कोश' तक की आंतरिक यात्रा पूरी करने की महत्वाकांक्षा के साथ आगे बढ़ेंगे। करुणा और सेवा के आदर्शों को आप अपने आचरण में ढाल कर समाज सेवा करते रहेंगे। करुणा और सेवा के अद्‌भुत उदाहरण हमारे देशवासियों ने कोरोना का सामना करने के दौरान प्रस्तुत किए हैं। आज हम गर्व के साथ यह कह सकते हैं कि हमारा देश विश्व के उन थोड़े से देशों में से है जिन्होंने न सिर्फ कोरोना के मरीजों की प्रभावी देखभाल की है, अपितु इस बीमारी से बचाव हेतु वैक्सीन का भी उत्पादन किया है। हमारे देश में विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान सफलतापूर्वक चल रहा है। सृष्टि के साथ सामंजस्यपूर्ण जुड़ाव ही आयुर्वेद एवं योग-शास्त्र का लक्ष्य है। इस सामंजस्य के लिए यह भी आवश्यक है कि हम सभी प्रकृति के अनुरूप जीवनशैली को अपनाएं तथा प्राकृतिक नियमों का उल्लंघन न करें।

राष्ट्रपति ने कहा कि आज जब हम आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, तब हमें अपने ऐसे विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों को और भी अधिक प्रोत्साहन देना चाहिए जो हमारी संस्कृति को आधुनिक परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा प्रदान कर रहे हैं। यह विशेष रूप से उल्लेखनीय तथ्य है कि पतंजलि विश्वविद्यालय में छात्रों की अपेक्षा बेटियों की संख्या अधिक है। यह प्रसन्नता की बात है कि परंपरा पर आधारित आधुनिक शिक्षा का विस्तार करने में हमारी बेटियां अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। मुझे विश्वास है कि आप सभी छात्राओं में से आधुनिक युग की गार्गी, मैत्रेयी, अपाला, रोमशा और लोपामुद्रा निकलेंगी जो भारतीय मनीषा और समाज की श्रेष्ठता को विश्व पटल पर स्थापित करेंगी।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि आज हम सभी देवभूमि वासियों के लिए सौभाग्य और प्रसन्नता का क्षण है। महामहिम राष्ट्रपति जी की उपस्थिति से आज यह विद्या और ज्ञान का मन्दिर पंतजलि विश्वविद्यालय तथा हमारा पूरा उत्तराखण्ड परिवार गरिमामय हो गया है। देवभूमि उत्तराखण्ड की पावन धरती, यहां के सुन्दर पर्वत, नदियां और सभी लोग महामहिम राष्ट्रपति जी का आभार व्यक्त करते हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि स्वामी रामदेव जी और आचार्य बालकृष्ण जी ने योग एवं आयुर्वेद को दुनियाभर में एक नई पहचान दी है। वे बधाई के पात्र हैं। स्वामी रामदेव जी ने आयुर्वेद व योग का महत्व पूरी दुनिया को बताया। वे योग एवं आयुर्वेद के माध्यम से हेल्थ सेक्टर में क्रांति लाये हैं। भविष्य में विश्व के सात बिलियन लोग इसका लाभ उठाएंगे। उन्होंने इसे जन-जन तक पहुंचाने का महान कार्य किया है। आज बच्चे, बुजुर्गों सहित सभी लोगों में योग लोकप्रिय हो चुका है। प्राणायाम और योगासनों की

पतंजलि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति महोदय उपाधि प्रदान करते हुए

शक्तियों को पूरा विश्व पहचान चुका है। राज्यपाल ने कहा कि आयुर्वेद तथा योग ने भारत को कोविड काल की चुनौतियों के लिए भी तैयार किया। जहां पूरा विश्व कोविड के कारण बुरी तरह प्रभावित रहा। योग एवं आयुर्वेद के कारण भारत ने इस चुनौती का सामना बेहतर ढंग से किया। राज्यपाल ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि आज इस दीक्षांत समारोह में डिग्रियां लेने वाले विद्यार्थी अपने राष्ट्र, प्रदेश और समाज की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे। आप अपनी शिक्षा, प्रतिभा एवं प्रशिक्षण का उपयोग मानव कल्याण के लिए करेंगे। आशा है कि हमारे स्वास्थ्य योद्धा आने वाली चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक करेंगे।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि दीक्षांत समारोह का अर्थ शिक्षा की समाप्ति नहीं है। शिक्षा तो जीवनभर निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है। आज पूरा विश्व असीमित संभावनाओं और अवसरों से युक्त है। युवा पीढ़ी से अपेक्षाएं हैं कि आउट ऑफ द बाक्स थिंकिंग और अपनी नई कल्पनाओं के साथ प्रत्येक क्षेत्र में असीमित परिणाम देंगे। मुझे यह देखकर खुशी होती है कि आज बड़ी संख्या में युवा संस्कृत भाषा, योग, आयुर्वेद, नैचुरोपैथी तथा प्राचीन भारतीय विधाओं को पढ़ना और सीखना चाहते हैं। ऐसे युवा यदि इन्फॉरमेशन टेक्नोलॉजी, डिजिटाइजेशन, सोशल मीडिया एवं मॉस मीडिया में भी विशेषज्ञता प्राप्त कर लेते हैं तो यह हमारी प्राचीन विधाओं को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। युवाओं के द्वारा सोशल मीडिया तथा मास मीडिया का सदुपयोग इन समृद्ध विधाओं के प्रचार-प्रसार में किया जा सकता है। मेरा मानना है कि योग और आयुर्वेद के विद्यार्थी हमारी सभ्यता, संस्कृति के ब्राण्ड अम्बेसडर भी हैं। राज्यपाल ने कहा कि योग और आयुर्वेद हमारा सरल, सहज एव शाश्वत तथा सम्पूर्ण चिकित्सा विज्ञान है। हमें जन-जन तक इस बात को पहुंचाना है। योग और आयुर्वेद को विश्व की एक प्रमुख चिकित्सा पद्धति के रूप में स्थापित करना है। यह महान उत्तरदायित्व भी आपके ऊपर ही है। राज्यपाल ने कहा कि आज हमारे समक्ष सतत विकास के साथ ही संतुलित विकास की भी चुनौती है। विद्यार्थियों से मेरा आग्रह है कि यदि आपकी शिक्षा, प्रतिभा और विजन का

पतंजलि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में उपस्थित महानुभाव

लाभ हमारे देश के पिछड़े क्षेत्रों, दूरस्थ गांवों, समाज के वंचित और निर्धन तबकों को मिले तो यह आपके जीवन को एक नया अर्थ देगा। विशेषकर

देव संस्कृति विश्वविद्यालय का स्वर्ण जयंती उत्सव राष्ट्रपति महोदय के साथ शांतिकुंज पहुंचे राज्यपाल महोदय

महामहिम राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द जी के साथ राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) अखिल विश्व गायत्री परिवार के मुख्यालय शांतिकुंज के स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में देव संस्कृति विश्वविद्यालय, शांतिकुंज पहुंचे। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत भी मौजूद थे। राष्ट्रपति के देव संस्कृति विश्वविद्यालय पहुंचने पर प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या, कुलपति श्री शरद पारधी, कुलसचिव श्री बलदाउ देवांगन ने राष्ट्रपति का पुष्प गुच्छ प्रदान कर स्वागत अभिनन्दन किया।

विश्वविद्यालय परिसर स्थित मृत्युंजय सभागार में राष्ट्रपति, राज्यपाल एवं उच्च शिक्षा मंत्री के साथ देसंविवि के प्रमुख पदाधिकारियों एवं आचार्यों का सामूहिक छायाचित्र का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर देव संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. प्रणव पण्ड्या ने राष्ट्रपति को शांतिकुंज स्वर्ण जयंती वर्ष की गायत्री प्रतिमा, स्मृति चिन्ह, गंगाजल, देसंविवि स्वावलंबन विभाग द्वारा निर्मित जूट बैग एवं पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा प्रतिपादित सार्वभौम प्रज्ञा योग मार्गदर्शिका भेंट की। तत्पश्चात् राष्ट्रपति ने देसंविवि के प्रांगण में स्मृति स्वरूप रुद्राक्ष के पौधे

देव संस्कृति विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती उत्सव में महामहिम राष्ट्रपति, राज्यपाल महोदय और अन्य महानुभाव

का भी रोपण किया। राष्ट्रपति ने प्रज्ञेश्वर महादेव मन्दिर में पूजा अर्चना कर भगवान शिव का आशीर्वाद लिया। यहां विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक वैदिक मंत्रोच्चारण कर विश्व कल्याण की प्रार्थना की गई।

महामहिम राष्ट्रपति ने भारत एवं बाल्टिक देशों के संबंधों की मधुरता एवं मजबूती बढ़ाने के उद्देश्य से स्थापित एशिया के प्रथम बाल्टिक सांस्कृतिक अध्ययन केन्द्र का अवलोकन करते हुए इसके माध्यम से किये जा रहे प्रयासों और अनुसंधानों की प्रशंसा की। देव संस्कृति विश्वविद्यालय भ्रमण के दौरान यहां की मूल्यपरक शिक्षण प्रणाली, वैज्ञानिक अध्यात्मवाद, योग-आयुर्वेद, अनुसंधान, स्वावलंबन एवं विभिन्न रचनात्मक व शैक्षणिक गतिविधियों का राष्ट्रपति ने अवलोकन करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की।

महामहिम राष्ट्रपति एवं राज्यपाल महोदय इसके बाद गायत्री तीर्थ शांतिकुंज पहुंचे। शांतिकुंज में उन्होंने युग ऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य एवं माता भगवती देवी शर्मा जी के पवित्र पावन कक्ष का दर्शन किया जहां आचार्य श्री ने विश्वमानवता के लिए साधना एवं साहित्य सृजन का महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न किया था। युग ऋषि द्वारा 1926 से प्रज्जवलित अखण्ड दीपक के दर्शन किये जिसके समक्ष युग ऋषि ने गायत्री महामंत्र के 24-24 लाख के 24 महापुरश्चरण 24 साल तक अनवरत सम्पन्न किये। यह अखण्ड ज्योति गायत्री परिजनों की श्रद्धा का केन्द्र है।

राष्ट्रपति महोदय ने रुद्राक्ष का दिव्य पौधा रोपित कर किया दिल्ली के लिए प्रस्थान

परमार्थ निकेतन में गंगा आरती में शामिल हुए महामहिम

राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद परिवार सहित स्वर्गाश्रम स्थित परमार्थ निकेतन पहुंचे वहां उन्होंने गंगा आरती में शामिल होकर ऋषिनगरी में पतित पावनी मां गंगा को नमन किया। राष्ट्रपति ने कहा कि मां गंगा भारत के लिए सृष्टिकर्ता का अनूठा वरदान है, मां गंगा और भारत दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। मां गंगा का देश में जो आकर्षण है वह विश्व में किसी भी देश में नहीं है।

राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने यह भी कहा कि गंगा की आरती के ये पवित्र क्षण उनके लिए भाव विभोर करने वाले हैं। वे काफी सालों से विश्वप्रसिद्ध गंगा आरती के दर्शन करना चाहते थे, लेकिन पहले व्यस्तता और फिर कोरोना महामारी के चलते उनके कार्यक्रम टलते चले गए। उन्होंने कहा कि वह बेहद खुश हैं कि आज उनका अधूरा कार्य पूरा हो गया। उन्होंने कहा कि मां गंगा की महिमा को शब्दों में नहीं पिरोया जा सकता है।

राष्ट्रपति ने अपने उत्तराखण्ड दौरे को पूर्ण करते हुए परमार्थ निकेतन से विदाई ली। इस यात्रा की याद में राष्ट्रपति ने रुद्राक्ष का दिव्य पौधा परमार्थ प्रांगण में रोपित किया।

इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति के साथ उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय भी साथ रहे। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड की धरती दिव्य धरती है।

माननीय राष्ट्रपति जी तथा उनके परिवार को परमार्थ निकेतन में उत्तराखण्ड का पारंपरिक भोजन यथा मंडुवा की रोटी, झिंगोरा की खीर, गहत की दाल परोसी गई। राष्ट्रपति ने उत्तराखण्ड के स्थानीय भोजन की प्रशंसा की।

भारतीय नौसेना दिवस के अवसर पर देहरादून स्थित नेशनल हाइड्रोग्राफिक ऑफिस पहुंचे राज्यपाल कहा – भारतीय सेना के कारण हमारी सीमाएं सुरक्षित

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) नेशनल हाइड्रोग्राफिक ऑफिस, देहरादून में आयोजित भारतीय नौसेना दिवस समारोह में सम्मिलित हुए। उनके साथ राज्य की फर्स्ट लेडी श्रीमती गुरमीत कौर भी उपस्थित थी। साथ ही मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर राज्यपाल ने भारतीय समुद्रतटीय बचाव एवं सुरक्षा चार्ट का विमोचन किया।

राज्यपाल महोदय ने नौ सेना दिवस के अवसर पर देश की रक्षा में तत्पर सभी नौ सैनिकों एवं पूर्व नौसैनिकों, सभी प्रदेश वासियों एवं देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने कहा कि भारतीय सेना और नौ सेना में तैनात वीर जवानों के कठिन परिश्रम, त्याग, तपस्या और बलिदान के कारण हमारी गौरवशाली परम्परा, भारतीय सभ्यता, संस्कृति और सीमाएं सुरक्षित हाथों में हैं। हमारा देश लम्बी तटीय सीमाएं रखने वाला विशाल समुद्री राष्ट्र है। समुद्र की इन विशाल लहरों के बीच, अनेक छोटे-बड़े द्वीप हैं, जो हमारे देश की विशालता को प्रकट करते हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि भारतीय नौसेना नें वेद की पवित्र वाणी "शं नो वरुण:" को अपना आदर्श वाक्य माना है, जिसका अर्थ है जलमय वरुण हमारा कल्याण करें। भारत भूमि के सामरिक महत्व की इन विशाल सीमाओं की सुरक्षा, हमारे नौसेना के वीर जवानों के हाथों में है।

उन्होंने कहा कि देश के इकनोमिक तथा इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट में, देशवासियों की भलाई में और हमारी जरूरतों को पूरा करने में भारतीय नौ सेना का महत्वपूर्ण योगदान है।

भारत की विशाल सेना के अभिन्न अंग के रूप में हमारी नौसेना सक्षम, आधुनिकतम और शक्तिशाली सैन्य उपकरणों से सुसज्जित है। भारतीय नौसेना आज के डिजिटल युग के अनुरूप सूचना और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उन्नत और सुसम्पन्न बनती जा रही है। राज्यपाल ने कहा कि भारतीय नौ सेना की सामरिक निपुणता, दक्षता, विद्वता और युद्ध कुशलता की कहानियां हमें जोश और जज्बे के साथ देश सेवा करने की प्रेरणा देती हैं। भारत की नौसेना हर विधा में पारंगत और नौ सैन्य क्रियाकलापों में उत्कृष्ट है।

राज्यपाल ने कहा कि एक नौसैनिक के रूप में भूतपूर्व सैनिकों ने जो अनुभव, जो नेतृत्व अर्जित किया है, वह हमारे उत्तराखण्ड प्रदेश को इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट, स्किल डेवलपमेंट, ट्रेनिंग प्रोग्राम्स में विशिष्ट लाभ दे सकता है। सेना में लम्बे समय तक की गई आपकी सेवा से प्राप्त अनुभव उत्तराखण्ड राज्य के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं।

राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड प्रदेश के नवयुवक-युवतियां भी भारतीय सेना में अपने बेहतर कैरियर को चुनने का लक्ष्य बनायें।

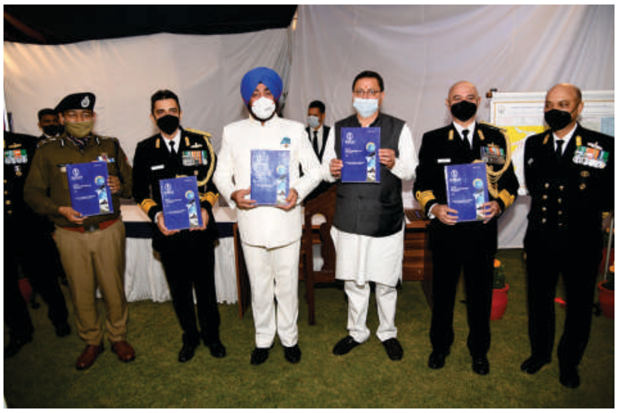

भारतीय नौसेना दिवस समरोह में राज्यपाल महोदय और अन्य गणमान्य महानुभाव

नेशनल हाइड्रोग्राफिक ऑफिस, देहरादून

नेशनल हाईड्रोग्राफिक ऑफिस में भारतीय नौ सेना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल महोदय

सैनिक स्कूल कपूरथला पहुंचे राज्यपाल कहा - सैनिक स्कूल एक विलक्षण संस्थान

सैनिक स्कूल कपूरथला में बिताये अपने छात्र जीवन के अनुभव व संस्मरण साझा किए

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने सैनिक स्कूल कपूरथला, पंजाब में ओल्ड ब्वॉयज एसोसिएशन मीट कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। गौरतलब है कि राज्यपाल महोदय ने सैनिक स्कूल कपूरथला से ही अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की थी। इस अवसर पर राज्यपाल ने उपस्थित छात्र-छात्राओं से अपने छात्र जीवन के अनुभव व संस्मरण साझा किये। इस अवसर पर राज्यपाल ने बेस्ट एकेडमिक्स के लिए गवर्नर्स कप ट्रॉफी की घोषणा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल महोदय ने कहा कि सैनिक स्कूल अपने आप में एक विलक्षण संस्थान है। सैनिक स्कूलों ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के माध्यम से भारतीय सशस्त्र बलों के लिए सैकड़ों अधिकारी तैयार किए हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह गर्व का विषय है कि अब बेटों के साथ-साथ हमारी बेटियां भी सैन्य परंपरा का हिस्सा बन रही है। हमारी होनहार बेटियां जीवन के हर क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करते हुए बेटों के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ते हुए देश का नाम रोशन कर रही हैं। बेटियां मेधा, शक्ति, शौर्य और पराक्रम में किसी भी स्थिति में कमतर नहीं हैं। सेना की यह नई परंपरा बालिकाओं के व्यक्तित्व को नए आयाम देने वाली है। बेटियों को आगे बढ़ने के अवसर मिलने से हमारा देश और समाज जल्द ही प्रगति की नई मिसाल बनेगा। माननीय राज्यपाल ने कहा कि स्कूल का हर क्षण महत्वपूर्ण होता है। यहां मिली सीख हमें जीवन में सफलता के शिखर तक पहुंचा सकती है। स्कूल में प्राप्त की गई शिक्षा उच्च मार्गदर्शन करती है। शिक्षा जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करती है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि राष्ट्र-निर्माण के लिए आपका प्रशिक्षण, शिक्षा व कुशलता देश को समृद्धि के नये शिखर तक पहुंचाएगी। राज्यपाल ने कहा कि हमारे देश के सपनों को पूरा करने के लिए जोशीले और उत्साही युवाओं की आवश्यकता है। यह देश युवा है। यहां की 65 प्रतिशत युवा आबादी, युवा सपनों को पूरा करने में योगदान देने वाली होगी।

उन्होंने कहा कि सैन्य सेवा एक दूरदर्शी योजना है। इसके माध्यम से युवाओं को समाज और देश की सेवा से जुड़ने का अवसर जीवन भर प्राप्त होता है। सेना की शिक्षा हमें आत्म-अनुशासित और परिश्रमी बनाती है। हमारे युवा जिम्मेदार नागरिक बनें और स्वयं को पहचानें।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि पंजाब की यह भूमि गुरुओं के ज्ञान, पराक्रम और त्याग की भूमि है। गुरु परंपरा ने हमें सदैव वीरता, साहस, त्याग, तपस्या और ज्ञान अर्जित करने की सीख दी है।

इस अवसर पर सैनिक स्कूल कपूरथला के प्रिंसिपल, शिक्षकगण, पूर्व तथा वर्तमान विद्यार्थी उपस्थित थे।

हेमवती नंदन बहुगुणा चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल का संबोधन

कहा - पहाड़ी इलाकों में अपनी सेवाएं देने के लिए तत्पर रहें डॉक्टर्स

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने हेमवती नंदन बहुगुणा चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय, देहरादून के चौथे दीक्षांत समारोह में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने मेधावी छात्र छात्राओं को उपाधियां प्रदान की। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने डॉ. जी.एस. तितयाल, डॉ. ए.बी. पंत तथा डॉ. जे.के. शर्मा को डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद उपाधि प्रदान की।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि डॉक्टर्स उत्तराखंड के सीमांत क्षेत्रों, गांवों तथा पहाड़ी इलाकों में अपनी सेवाएं देने के लिए तत्पर रहें। राज्य में रिवर्स माइग्रेशन को बढ़ाने में डॉक्टर्स महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। राज्य के दूरदराज क्षेत्रों से लोग हेल्थ फैसेलिटीज की कमी के कारण पलायन न करें, ऐसा प्रयास किया जाना चाहिए। राज्यपाल महोदय ने कहा कि डॉक्टर्स निस्वार्थ सेवा की भावना से काम करें। जरूरतमंद, गरीबों, वंचितों, महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की सर्वोच्च प्राथमिकता पर मदद करें। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड जैसे पहाड़ी राज्य के लिए टेलीमेडिसिन तथा टेलीरेडियोलॉजी किसी वरदान से कम नहीं है, टेलीमेडिसिन के माध्यम से राज्य के दूरदराज के पहाड़ी क्षेत्र के लोगों को भी देश के सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों तथा टॉप मेडिकल एक्सपर्ट्स की सेवाएं मिल जाए तो यह हेल्थ सेक्टर में एक रिवोल्यूशन होगा। हमें उत्तराखण्ड में टेलीमेडिसिन को अधिक से अधिक बढ़ावा देना होगा।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि उत्तराखण्ड जैसे पहाड़ी राज्य में हेल्थ फैसिलिटी के गैप को टेक्नोलॉजी के माध्यम से खत्म किया जा सकता है। राज्य के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों व सभी सरकारी अस्पतालों में अधिक से अधिक टेक्नोलॉजी को बढ़ावा मिलना चाहिए। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन, टेलिफोनिक कंसलटेंसी, डिजिटाइजेशन ऑफ रिकॉर्ड्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, बिग डाटा एनालिटिक्स और मशीन लर्निंग को अधिक से अधिक अपनाया जाना चाहिए।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि कोविड-19 की महामारी के दौरान हमारे डॉक्टर, नर्स तथा समस्त पैरामेडिकल स्टाफ हेल्थ वॉरियर्स की भूमिका में रहे। उन्होंने अपने फर्ज से भी आगे बढ़कर मानवता का धर्म निभाया है। हमारे हेल्थ वॉरियर्स ने अपने जीवन को जोखिम में डालकर लाखों जीवन बचाये हैं। आपकी इस महान मानव सेवा, अपने कर्तव्य के प्रति समर्पण और

त्याग के लिए मैं आपको नमन करता हूँ। अपने इन समर्पित हेल्थ वॉरियर्स के कारण ही हम देश में सौ करोड़ से अधिक वैक्सीनेशन का लक्ष्य प्राप्त करने में सफल हुए हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि युवा डॉक्टरों से अनुरोध है कि वे रिवर्स माइग्रेशन के लिए लीडरशिप दे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल महोदय ने कहा कि नए-नए शोध सामने आने से चिकित्सा क्षेत्र का लगातार विस्तार हो रहा है। इन नए रिसर्च से हमारी विशाल आबादी लाभान्वित हो, हमें इस बात पर ध्यान देना होगा।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि कोविड-19 स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के लिए एक नई चुनौती रही है और अब भी है। इस महामारी ने मौजूदा चिकित्सा सेवाओं की सीमा को दिखाया लेकिन हमारे वैज्ञानिकों और डॉक्टरों ने इस चुनौती का डटकर मुकाबला किया। हमने रिकॉर्ड समय में नए टीके विकसित किए और एक अरब लोगों को टीका लगाया।

उन्होंने कहा कि हमारे डॉक्टरों और पैरामेडिक्स को सलाह है कि कोविड-19 के मरीज के इलाज में हमें अन्य खतरनाक बीमारियों को नजर अंदाज नहीं करना चाहिए ।

राज्यपाल ने डॉक्टरों को गढ़वाली, कुमाऊंनी जैसी क्षेत्रीय भाषाओं को सीखने और संवाद करने की भी सलाह दी, क्योंकि ये डॉक्टर को लोगों के प्रति संवेदनशील बनाने और मरीजों को प्रभावी स्वास्थ्य सेवायें प्रदान करने में मदद करेंगी।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि कोविड-19 ने शिक्षा प्रणाली को बुरी तरह प्रभावित किया है और संस्थानों को ऑनलाइन शिक्षण में स्थानांतरित होना पड़ा है। यह शिक्षकों और छात्रों दोनों के लिए एक नया चैलेंज और एक नया अनुभव था। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में विशेषकर मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में हम जितने रिसर्च कर रहे हैं, साथ-साथ चुनौतियां भी बड़ी होती जा रही हैं। डॉक्टरों और नर्सों को पूरी दुनिया में बहुत सम्मान की नजर से देखा जाता है। विशेष रूप से भारत में जहां उन्हें भगवान के रूप में सम्मानित किया जाता है। अब यह आप पर निर्भर है, कि आप अपनी सेवाओं और आचरण से लोगों के इस विश्वास और सम्मान को कायम रखें।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, सचिव डॉ. पंकज कुमार पांडे, एचएनबी मेडिकल एजुकेशन यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. हेमचंद्र, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति तथा छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

हेमवती नंदन बहुगुणा चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को सम्बोधित करते राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.)

राज्यपाल महोदय से यूथ फॉर नेशन संस्था के प्रतिनिधिमंडल ने की भेंट वाइस एडमिरल रमन पुरी, लेफ्टिनेंट जनरल चतुर्वेदी, मेजर जनरल अग्निहोत्री रहे प्रतिनिधिमंडल में शामिल

राज्यपाल महोदय को उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए लोक सेवा आयोग के अधिकारी एवं प्रतिनिधिगण

भारतीय सैन्य अकादमी की पासिंग आउट परेड में राष्ट्रपति महोदय के साथ राज्यपाल

राज्यपाल महोदय की
केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार भेंट

राज्यपाल महोदय ने नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन तथा राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी से भेंट की

उत्तराखण्ड के राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन तथा राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी से भेंट की। राज्यपाल महोदय ने केंद्रीय मंत्री से उत्तराखंड में सड़क कनेक्टिविटी के संबंध में अपना विजन साझा किया। राज्यपाल महोदय ने मुख्यत: राज्य में चार धाम मार्ग, ऑल वेदर रोड विकास परियोजना, निर्माणाधीन विभिन्न रोपवे परियोजनाओं, सीमांत क्षेत्रों में सड़कों के विकास के विषय पर विस्तृत चर्चा की।

केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी तथा उत्तराखण्ड के राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) के मध्य निर्माणाधीन दिल्ली-सहारनपुर-देहरादून एक्सप्रेस वे तथा नई रोड टेक्नोलॉजी के संबंध में भी चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी ने उत्तराखंड में संचालित सभी सड़क परियोजनाओं के समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन का आश्वासन दिया। राज्यपाल महोदय ने कहा कि भारत में सड़क कनेक्टिविटी के क्षेत्र में क्रांति हो रही है। उत्तराखण्ड के विकास एवं प्रगति में सड़क कनेक्टिविटी की महत्वपूर्ण भूमिका हैं। राज्य में जहां सड़क मार्ग से नहीं पहुंचा जा सकता, वहां पर रोपवे का विकास किया जा रहा है। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड धार्मिक आस्था का केंद्र भी है। राज्य विश्व की आध्यात्मिक राजधानी बनने जा रहा है। दुनियाभर से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं को देखते हुए सड़क मार्गों तथा रोपवे विकास की परियोजनाएं अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि हेमकुंड साहिब जी तक पहुंचने के लिए रोपवे का विकास किया जा रहा है। अब विश्वभर से सिक्ख श्रद्धालु और भी अधिक सुविधापूर्वक हेमकुंड साहिब जी के दर्शन कर पाएंगे। राज्यपाल महोदय ने कहा कि उत्तराखण्ड एक सीमांत राज्य है, अत: सामरिक तथा सुरक्षा की दृष्टि से भी सड़क कनेक्टिविटी महत्वपूर्ण है। बॉर्डर एरियाज में सड़क मार्गों का विस्तार अति आवश्यक है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि हमें सीमांत क्षेत्रों के लोगों को विशेष रूप से रिवर्स माइग्रेशन के लिए प्रोत्साहित करना होगा। सामरिक दृष्टि से भी सीमांत क्षेत्रों में निवासियों का बसे रहना बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड एक पर्यटन राज्य भी है। पर्यटन राज्य की आर्थिकी की रीढ़ है। सड़क मार्गों तथा रोपवे के विकास और सुदृढ़ीकरण से पर्यटन तथा रिवर्स माइग्रेशन को बढ़ावा मिलेगा। उल्लेखनीय है कि उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय ने पिछले दिनों ही नई दिल्ली में सीमा सड़क संगठन के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल राजीव चौधरी से भेंट कर उत्तराखंड के सीमांत क्षेत्रों में सड़क कनेक्टिविटी के विस्तार पर विस्तृत चर्चा की थी। उन्होंने राज्य के सीमांत क्षेत्रों में विषम परिस्थितियों में आधारभूत संरचना विकास के लिए बीआरओ के कार्यों की प्रशंसा की थी।

राज्यपाल महोदय ने केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नारायण राणे से भेंट की

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने दिल्ली में केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नारायण राणे से भेंट की। राज्यपाल ने केंद्रीय एमएसएमई मंत्री श्री राणे से उत्तराखण्ड में एमएसएमई प्रोत्साहन के माध्यम से रिवर्स माइग्रेशन को बढ़ावा देने के विषय पर विस्तृत चर्चा की।

उन्होंने राज्य से एमएसएमई उत्पादों के निर्यात को बढ़ाने का आग्रह किया और उत्तराखण्ड के स्थानीय उत्पादों की राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मांग बढ़ाने पर चर्चा की गई।

साथ ही टेक्नोलॉजी, पैकेजिंग, टेक्नोलॉजी मॉर्डनाइजेशन, पर्याप्त फंडिंग, स्टोरेज तथा लैब स्थापित करने के संबंध में भी सुझाव दिए। राज्यपाल महोदय ने कहा कि उत्तराखण्ड में महिला स्वयं सहायता समूह अच्छा कार्य कर रहे हैं। स्वयं सहायता समूह स्थानीय उत्पादों और शिल्पों पर आधारित लघु उद्यमों के माध्यम से राज्य में आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रहे हैं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों में इन महिला स्वयं सहायता समूहों को एमएसएमई से जोड़कर और भी अधिक सशक्त किया जाना चाहिए। इन्हें पर्याप्त फंडिंग उपलब्ध कराई जानी चाहिए। इससे राज्य में रिवर्स माइग्रेशन को बढ़ावा मिलेगा।

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने कहा कि उत्तराखण्ड में ऑर्गेनिक फार्मिंग के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। एमएसएमई के तहत राज्य में ऑर्गेनिक उत्पादों की वैश्विक स्तर पर डिमांड और मार्केटिंग बढ़ाने पर विशेष बल दिया जाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड में एमएसएमई रिवर्स माइग्रेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। केंद्रीय मंत्री श्री नारायण राणे ने इस संबंध में हर संभव सहायता व सहयोग का आश्वासन दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय में माननीय राज्यपाल महोदय
कहा – पुस्तकालय हमारे ज्ञान-विज्ञान, सभ्यता और संस्कृति के केन्द्र बनें

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने दिल्ली विश्वविद्यालय के पुस्तकालय तथा सूचना विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित "75वां आजादी का अमृत महोत्सव तथा पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग का शैक्षिक उत्कर्ष का उत्सव" में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया।

राज्यपाल महोदय ने इस अवसर पर कहा कि पुस्तकालयों में भारत के प्राचीन ज्ञान-विज्ञान, वेदों, उपनिषद्, संस्कृति और सभ्यता से जुड़े प्राचीन ग्रंथों का डॉक्यूमेंटेशन किया जाए तथा लाइब्रेरी ज्ञान-विज्ञान, सभ्यता और संस्कृति के संरक्षण का केन्द्र बनें। लाइब्रेरीज हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति व ज्ञान-विज्ञान के आर्काइव हाउस के रूप में स्थापित हों। लाइब्रेरीज के माध्यम से नई पीढ़ी को प्राचीन ज्ञान-विज्ञान से अवगत कराया जा सकेगा। हमारे प्राचीन ग्रन्थों और साहित्य को संरक्षित करने के लिए इनका डिजिटलाइजेशन किया जाना भी अति आवश्यक है। हमें इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी का भी ध्यान रखना होगा, ताकि हमारी विरासत का ज्ञान नष्ट न हो जाए।

राज्यपाल महोदय ने इस समारोह में यह भी कहा कि पुस्तकालय शैक्षणिक लोकतंत्र है। हमारे पुस्तकालय अपने सामाजिक और शैक्षणिक उत्तरदायित्व प्रभावी ढंग से निभा रहे हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि पुस्तकालयों की शिक्षा के प्रचार प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हमारे पुस्तकालय ज्ञान और सूचनाओं के विशाल भंडार हैं। सूचनाओं और ज्ञान की आवश्यकता सिर्फ विद्यार्थियों को नहीं है। प्रशासक, मैनेजर, उद्यमी, पर्यटक, पत्रकार, शोधकर्ता, यहां तक कि किसानों, कारखानों और खेतों में काम करने वाले श्रमिकों तथा आम नागरिकों को भी अपनी जरूरतों के अनुसार सूचनाओं और जानकारी की आवश्यकता होती है। आज इंटरनेट, डिजिटलाइजेशन और मोबाइल कल्चर के युग में सूचनाएं और ज्ञान हमारे फिंगर टिप्स पर हर वक्त मौजूद है, परन्तु पुस्तकालयों का महत्व कहीं भी कम नहीं हुआ है। युवाओं से अपील है कि पुस्तकें पढ़ने की आदत डालें। अच्छी पुस्तकें आपकी मित्र, मार्गदर्शक, गुरू तथा अभिभावक सभी कुछ हो सकती हैं। पुस्तकें आपको ज्ञान देने के साथ ही आपके चरित्र निर्माण और आत्मविश्वास बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाती हैं। उपहार स्वरूप एक दूसरे को पुस्तकें भेंट करें।

राज्यपाल महोदय ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि हमारे स्कूली जीवन में पुस्तकालयों का विशेष महत्व होता था। लाइब्रेरियन से हमारा एक विशेष स्नेहपूर्ण सम्बन्ध होता था। वे छात्रों को किताबों के बारे में उचित मार्गदर्शन देते थे। लाइब्रेरी में एक विशेष अनुशासन भी देखने को मिलता है। लेकिन मेरा मानना है कि लाइब्रेरी में अनुशासन के साथ ही एक सक्रिय एवं जीवन्त वातावरण होना भी आवश्यक है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि लाइब्रेरी का औपचारिक तथा अनौपचारिक शिक्षा में महत्वपूर्ण योगदान है। विशेषकर अनौपचारिक शिक्षा में विद्यार्थी शिक्षकों की अधिक सहायता नहीं ले पाते हैं, ऐसे में पुस्तकालय उनके सबसे बड़े सहायक व मार्गदर्शक हो सकते हैं। ऐसे में सार्वजनिक पुस्तकालयों का विशेष दायित्व है कि समाज के सभी लोगों की सेवा करते रहें। हम जानते हैं कि आज देश और दुनिया की तरक्की के लिए शोध कितने महत्वपूर्ण हैं। शोध के लिये सूचनाएं, ज्ञान, रिकॉर्ड अत्यन्त आवश्यक है। ऐसे में शोधकर्ताओं के लिए तो पुस्तकालय किसी वरदान से कम नहीं है। छात्रों के बौद्धिक विकास में भी पुस्तकालयों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि समय के साथ अपने पुस्तकालयों को आधुनिक तकनीकी, डिजिटलाइजेशन, आईटी, बिगेस्ट डाटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जोड़ना होगा। नई पीढ़ी को ऑनलाइन पढ़ाई के साथ पुस्तकालयों के अधिकाधिक प्रयोग के लिए प्रोत्साहित करना होगा। भारत को पुनः विश्व गुरु के रूप में स्थापित करने में प्राचीन भारतीय ज्ञान-विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। लाइब्रेरी तथा लाइब्रेरियन इंफॉर्मेशन वॉरियर्स है। वे हमारे मददगार और मार्गदर्शक हैं। यह अच्छी बात है कि आजकल पुस्तकालय डिजिटल होकर हमारे मोबाइल में आ चुके है। युवा पीढ़ी की पहुंच सूचना क्रान्ति के कारण ज्ञान के विशाल भण्डार पर सरलता से हो गई है। हमारे पुस्तकालय आर्थिक रूप से कमजोर व प्रतिभाशाली छात्रों के लिए अत्यन्त सहायक सिद्ध हो रहे हैं। वे अपना अध्ययन व प्रतिष्ठित परीक्षाओं की तैयारी पुस्तकालयों में कर सकते हैं।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल, कुलपति प्रो. योगेश सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय, चेयरमैन नैक प्रो. वी.एस. चौहान, उपकुलपति दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. पी सी जोशी, प्रो. आई.एम. कपाही, प्रो. सुमन कुन्डु, निदेशक दक्षिणी परिसर प्रो. बलराम पाणी, डॉ. विकास गुप्ता, रजिस्ट्रार श्री अविनाश जी, महासचिव राष्ट्रीय सिख संगत आदरणीय स्वामी रामेश्वरानन्द जी, प्रमुख निर्मल आश्रम श्री संतोष तनेजा जी, प्रसिद्ध शिक्षाविद सरदार राजा इकबाल सिंह जी, मेयर उत्तर दिल्ली, कुलपति, प्रोफेसर, प्रिंसिपल तथा विद्यार्थी उपस्थित थे।

दून विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने दून विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत भी उपस्थित थे। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के 93 मेधावियों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया।

राज्यपाल महोदय ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि युवाओं को देश को लीडरशिप देनी है। हमारे देश के युवाओं में असीमित संभावनाएं हैं। युवाओं का हौसला, साहस, लगन और ऊर्जा भारत को विश्व में प्रत्येक क्षेत्र में सर्वोच्च स्थान दिलाएगा। राज्यपाल ने कहा कि यह गर्व का विषय है कि उत्तराखण्ड में बालिकाओं की उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भागीदारी

प्रतिशत अधिक है। युवाओं को भारत के प्राचीन ज्ञान को आधुनिक कौशलों के साथ समन्वित करके देश को फिर से नॉलेज सुपर पावर बनाना होगा।

दीक्षांत समारोह में उपाधि एवं मेडल प्राप्त करने वालों में बालिकाओं की अधिक भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राज्यपाल राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में एक मिसाल है। यहां प्रत्येक क्षेत्र में महिलाएं स्वयं को सिद्ध कर रही हैं।

राज्यपाल ने कहा कि देहरादून एक उत्कृष्ट एजुकेशन हब है। यहाँ के विश्वविद्यालयों को स्वायत्तता के साथ ही जवाबदेह भी बनना होगा। विश्वविद्यालयों को रिसर्च और एजुकेशन में लीडरशिप देनी होगी।

राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों की परिश्रमी व आत्मविश्वासी महिलाएं पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत हैं। सुदूर क्षेत्रों में महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक सशक्तीकरण का नया अध्याय लिख रही है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को विदेशी भाषाएं सीखने के साथ ही हमारी सभ्यता और संस्कृति की धरोहर भाषा संस्कृत तथा पाली, प्राकृत, गुरुमुखी सहित भारत की तीन सौ भाषाओं को भी प्रोत्साहित करना होगा। विदेशी और भारतीय भाषाओं के मध्य तालमेल को पहचानना होगा। राज्यपाल महोदय ने कहा कि युवा भारत पूरी दुनिया में अपना लोहा मनवा सकता है। आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में कुशल युवाओं का बड़ा योगदान होगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाएंगे।

इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने समाजसेवी माता मंगला जी तथा मंहत महेन्द्र दास जी को डी.लिट् की मानद उपाधि प्रदान की।

दीक्षांत समारोह में कुलपति दून विश्वविद्यालय प्रो. सुरेखा डंगवाल, विश्वविद्यालय के कुलसचिव, विभिन्न राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति, शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

राज्यपाल महोदय ने विजय दिवस के अवसर पर भारतीय सैन्य अकादमी पहुंचकर युद्ध स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को नमन किया

राज्यपाल महोदय ने सैनिक स्कूल घोड़ाखाल में शक्ति सैनिक स्मारक का लोकार्पण किया

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने नैनीताल के घोड़ाखाल स्थित सैनिक स्कूल में शक्ति सैनिक स्मारक का लोकार्पण किया। उन्होंने वीर सैनिक स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इसके उपरांत राज्यपाल महोदय ने रतनदीप सैनिक स्कूल घोड़ाखाल के सभागार में अपने सम्बोधन में कहा कि उत्तराखण्ड एक सैनिक धाम के रूप में है। यहां के प्रत्येक परिवार से सेना में जा कर अपने देश के प्रति जो उल्लास देखा जाता है, वह एक देश के लिए अच्छी पहल है। उत्तराखण्ड के हर एक परिवार से सैनिक आते हैं, जिनकी विजय गाथाएं हमेशा सुनाई जाती रहेंगी। उन्होंने कहा कि 16 दिसंबर को भारत में 'विजय दिवस' के रूप में मनाया जाता है और यह दिन इसलिए मनाया जाता है क्योंकि इस दिन

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने वीर सैनिकों को पुष्प चक्र एवं श्रद्धासुमन अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

भारत-पाक युद्ध में पाकिस्तान को करारी शिकस्त मिली थी। 16 दिसंबर 1971 को ढाका में 93 हजार पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था।

13 दिन तक चले इस युद्ध में कई भारतीय जवान शहीद हुए थे। इस दिन को बांग्लादेश में मुक्ति दिवस भी कहा जाता है, और यह पाकिस्तान से बांग्लादेश की आधिकारिक स्वतंत्रता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मैं यहां आ कर बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। यहां पर जो बच्चे आज सेना से सम्बन्धित शिक्षा ले रहे हैं, वे आने वाले समय में देश की रक्षा के लिए बहुत जरूरी है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह स्मारक भारत के वीर, पराक्रमी, साहसी सैनिकों की याद में बनाया गया है। यह स्मारक हमारे देश के सैनिकों के शौर्य और बलिदान को दर्शाता है, जिन्होंने अपना सर्वस्व भारत के लिए अर्पित कर दिया।

राज्यपाल महोदय ने कैडेट्स का उत्साहवर्धन करते हुए उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना की। उन्होंने कैडेट्स एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा समाज में परिवर्तन का प्रमुख माध्यम है। इस दिशा में सैनिक स्कूल, बच्चों में बहुमुखी प्रतिभा को विकसित करता है, जो छात्रों को एक अत्यधिक ज़िम्मेदार और सफल नागरिक बनाने में सहायक होता है। सैनिक स्कूल के कैडेट्स को इस तरह से प्रशिक्षित किया जाता है कि वे शारीरिक और मानसिक रूप से चुस्त हो जाते हैं एवं राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और आगे सशस्त्र बलों में प्रशिक्षण की चुनौतियों का सामना करने के लिए भी पूरी तरह से तैयार हो जाते हैं।

राज्यपाल महोदय ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खडकवासला में अधिकतम संख्या में कैडेट्स भेजने के लिए, सैनिक स्कूल घोड़ाखाल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा इस असाधारण उपलब्धि को संभव बनाने में सभी शिक्षकों एवं कैडेट्स का अथक प्रयास एवं योगदान है। सैनिक स्कूल, घोड़ाखाल 9 बार प्रतिष्ठित रक्षा मंत्री ट्राफ़ी का विजेता रहा है, जो अपने आप में ही मील का पत्थर है।

राज्यपाल का स्वागत सैनिक स्कूल के प्रधानाचार्य ग्रुप कैप्टन विजय कुमार ठाकुर द्वारा किया गया। इसके पश्चात् राज्यपाल को विद्यालय के कैडेट्स द्वारा गार्ड ऑफ़ ऑनर दिया गया। साथ ही विद्यालय के कैडेट्स द्वारा स्कूल बैंड का उत्कृष्ट प्रदर्शन भी किया गया।

इस अवसर पर आयुक्त कुमाऊँ मण्डल श्री दीपक रावत, डीआईजी डॉ. निलेश आनन्द भरणे, जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रीति प्रियदर्शिनी, संयुक्त मजिस्ट्रेट प्रतीक जैन, विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल राजेश सिंह उपस्थित थे। मंच का संचालन स्कूल कैप्टन कैडेट शिवराज पछाई द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन उप प्रधानाचार्य स्क्वाड्रन लीडर टी. रमेश कुमार द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा, विद्यालय परिवार द्वारा राज्यपाल महोदय को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

राज्यपाल महोदय से राजभवन में प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षकों के समूह ने भेंट की

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने राजभवन में प्रशिक्षु, पुलिस उपाधीक्षकों के एक समूह से भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने पुलिस उपाधिक्षकों से संवाद करते हुए विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल महोदय ने पूछा कि आने वाले पांच वर्षों में पुलिस के समक्ष कौन सी चुनौतियां हैं? 21 वर्षों के अवधि में उत्तराखण्ड पुलिस के कौन से तीन बड़े हीरो रहे हैं जिन्हें नये पुलिस अधिकारियों का आदर्श माना जाना चाहिए? आने वाले समय में पुलिसिंग को किस प्रकार के ट्रांसफोर्मेशन की जरूरत है? वह कौन से तीन कार्य हैं जिन्हें पुलिस अधिकारियों व जवानों द्वारा बिल्कुल नहीं किया जाना चाहिए? क्या आप नरेन्द्र नगर पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज में मिली ट्रेनिंग से संतुष्ट हैं? पुलिस ट्रेनिंग में कौन सी तीन बातें बदलनी चाहिए? साइबर क्राइम के सम्बन्ध में आपकी ट्रेनिंग कैसी थी? पुलिस महिला अधिकारियों की क्या चुनौतियां है? राज्यपाल महोदय ने उत्तराखण्ड पुलिस के 18 प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षकों से यह प्रश्न राजभवन में आयोजित एक कार्यक्रम में किये। उत्तराखण्ड पुलिस सेवा के यह प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक नरेन्द्रनगर पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय से प्रशिक्षण पूरा करने के पश्चात राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट करने राजभवन आये थे।

राज्यपाल महोदय द्वारा पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय, नरेन्द्रनगर में इन्फ्रास्ट्रक्चर सुधार से सम्बन्धित प्रश्न के उत्तर में एक महिला पुलिस उपाधीक्षक ने सुझाव दिया कि पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज में सिंथेटिक ट्रैक, स्वीमिंग पूल आदि की व्यवस्था की जानी चाहिए। आने वाले समय में पुलिस के समक्ष चुनौतियों के सम्बन्ध में प्रशिक्षु अधिकारियों ने कहा कि साइबर क्राइम तथा पुलिस में कम वर्कफोर्स एक बड़ी चुनौती है। हमें इसके लिए तैयारी करनी होगी। साइबर क्राइम के सम्बन्ध में पुलिस ट्रेनिंग के दौरान बेसिक ट्रेनिंग ही दी जाती है। पुलिसिंग में बदलाव के सम्बन्ध में प्रशिक्षुओं ने कहा कि पुलिस कानूनों में बहुत ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है परन्तु पुलिस की कार्यशैली में परिवर्तन हो रहा है। विशेषकर उत्तराखण्ड पुलिस के सन्दर्भ में यह मित्रता की धारणा पर कार्य कर रही है। सोशल मीडिया की चुनौती के कारण पुलिस की प्रत्येक गतिविधि मॉनीटर हो रही है। हर बात के लिए कम्पलेंट सेल की व्यवस्था है। पुलिस को लोगों की

भावनाओं को समझना होगा तथा पीपल फ्रेण्डली पुलिस बनना होगा। एक अन्य प्रशिक्षु ने पुलिस ट्रांसफोर्मेशन के सम्बन्ध में सुझाव दिया कि पुलिस में मॉर्डनाइजेशन हेतु पर्याप्त बजट की व्यवस्था की जानी चाहिए। मॉर्डनाइजेशन भी नीचे के स्तर थाने और चौकी स्तर से किया जाना चाहिए। एक महिला प्रशिक्षु अधिकारी ने कहा कि पुलिस को आम लोगों के साथ विनम्रता से कार्य करना होगा। राज्य के लोग शिक्षित, जागरूक और स्वाभिमानी हैं। एक अन्य प्रशिक्षु अधिकारी ने कहा कि आज जहां हर व्यक्ति स्वयं की व्यक्तिगत पहचान की ओर जा रहा है, पुलिसिंग में टीम वर्क का बड़ा महत्व है। उत्तराखण्ड जैसे छोटे से नवोदित राज्य में भ्रष्टाचार इसकी प्रगति में बाधक बन सकता है। राज्य के विकास के लिए अधिकारियों को ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण से कार्य करना होगा।

राज्यपाल महोदय ने नवनियुक्त पुलिस अधिकारियों से कहा कि पुलिस की वर्दी का डर सिर्फ अपराधियों में होना चाहिए आम लोगों में पुलिस को देखकर सुरक्षा की भावना पैदा होनी चाहिए। आपके द्वारा चुनी गई पुलिस सेवा चुनौतीपूर्ण हैं। आपको प्रभावशाली के स्थान पर गरीब की सहायता करनी है। अपने प्रोफेशनलिज्म पर अडिग रहना है। आप पुलिस के युवा अधिकारी राष्ट्र की शक्ति हैं। आज प्रोएक्टिव पुलिसिंग और इंटलेक्चुउल पुलिसिंग की जरूरत है। अपराधों को होने से रोकना, लोगों को शिक्षित और जागरूक करना जरूरी है। पुलिस अधिकारी स्वयं को चुनौती दे तथा उत्कृष्ट से उत्कृष्ट कार्य करने का प्रयास करे।

राजभवन में राज्यपाल महोदय ने संवाद करते प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक

राज्यपाल महोदय नैनीताल राजभवन पहुंचे, कहा - नैनीताल के कारण विश्व पटल पर उत्तराखण्ड की विशिष्ट पहचान

उत्तराखण्ड के राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) अपने निर्धारित कार्यक्रमानुसार नैनीताल राजभवन पहुंचे। राजभवन पहुंचने पर कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत, डीआईजी डॉ. निलेश आनन्द भरणे, जिलाधिकारी धीरज गर्ब्याल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रीति प्रियदर्शिनी, संयुक्त मजिस्ट्रेट प्रतीक जैन, गोल्फ कैप्टन कर्नल हरीश शाह सहित अन्य अधिकारियों ने पुष्प गुच्छ देकर राज्यपाल महोदय का स्वागत किया तथा पुलिस विभाग की गार्ड ओर से ऑफ ऑनर द्वारा सलामी दी।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि नैनीताल के कारण विश्व पटल पर उत्तराखण्ड की विशिष्ट पहचान है। उन्होंने कहा कि पहले की अपेक्षा नैनीताल में पर्यटकों की संख्या में निरन्तर वृद्धि हो रही है, इसके लिए नैनीताल शहर, आस-पास के गांवों तथा पर्यटन स्थलों को और अधिक विकसित किया जाना होगा। मां नयना देवी मन्दिर सहित क्षेत्र के सभी ऐतिहासिक मन्दिरों के महत्व के प्रति लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि परिवर्तन समय की मांग है तथा परिवर्तन के अनुसार जनहित में कुछ नये कार्य होने चाहिए।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि विकास एक सतत प्रक्रिया है, जनप्रतिनिधि (सरकार) जनता के हित में कार्य करने के लिए हैं। उन्होंने कहा कि नैनीताल सहित राज्य का चहुंमुखी विकास हो, क्षेत्रवासियों को उत्पन्न हुई समस्याओं से तत्काल राहत मिले और पर्यटन को बढ़ावा मिले। उन्होंने कहा कि राज्यपाल के रूप में प्राप्त जिम्मेदारियों एवं दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करते हुए देवभूमि के विकास के लिए सदैव तत्परता से कार्य करना है।

राज्यपाल महोदय ने जनपद के विकास से सम्बन्धित गतविधियों पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा, विद्युत, पेयजल, कानून एवं शान्ति व्यवस्था, परियोजनाओं के साथ वर्तमान में चल रहे कोविड-19 संक्रमण की रोकथाम के लिए किये जा रहे कार्यों की विस्तृत रूप से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार योजनाएं बनाने हेतु निर्देश दिये गये हैं।

राज्यपाल महोदय ने राजभवन में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा स्थानीय उत्पाद से बने हैन्डी क्राफ्ट से निर्मित गुलदस्ते, अचार, एईडी बल्ब, दालें, मसाले आदि की प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए समूहों की महिलाओं से उनके उत्पादों द्वारा होने वाली आमदनी की जानकारी ली। उन्होंने महिलाओं से अपने उत्पाद को और अधिक बढ़ाने को कहा। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को स्थानीय उत्पादन को और अधिक बढ़ाने के निर्देश दिये ताकि महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने महिलाओं से सुझाव भी लिये। स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं द्वारा निर्मित स्थानीय उत्पाद राज्यपाल महोदय को भेंट किये।

राज्यपाल महोदय ने भूतपूर्व सैनिकों के साथ बैठक कर सैनिकों की समस्याओं/समाधान के लिए सैनिकों से सुझाव भी लिये। उन्होंने कहा कि मैं भी एक सैनिक हूँ। इसलिए ईश्वर ने मुझे जो जिम्मेदारी दी है, उसके अनुरूप मैं सैनिकों के लिए कुछ कर सकूं जिसके लिए आप सभी के सुझाव जरूरी हैं।

वसंतोत्सव की खास तैयारी – राज्यपाल महोदय के निर्देश पर राज भवन में बनी अलग-अलग पुष्पवाटिकाएं

फ्लोरीकल्चर को बढ़ावा देने से राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे: राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने कहा कि उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में किसानों को ट्यूलिप के उत्पादन के प्रति प्रोत्साहित करें, ट्यूलिप दुनिया के महंगे फूलों में शुमार है, इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में बहुत मांग है। उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्रों में इस चित्ताकर्षक फूल की व्यावसायिक खेती की अधिक से अधिक संभावनाएं तलाशी जानी चाहिए। राज्यपाल महोदय ने कहा कि ट्यूलिप की खेती के माध्यम से पर्वतीय क्षेत्रों के लोगों की आय में वृद्धि होगी तथा रिवर्स माइग्रेशन को बढ़ावा मिलेगा।

वसंतोत्सव की खास तैयारी – राज्यपाल महोदय के निर्देश पर राज भवन में बनी अलग-अलग पुष्पवाटिकाएं: राजभवन में श्री बदरीनाथ धाम पुष्प वाटिका, श्री केदारनाथ धाम पुष्प वाटिका, श्री गंगोत्री धाम पुष्प

वाटिका, श्री यमुनोत्री धाम पुष्प वाटिका, श्री हेमकुंड साहिब पुष्प वाटिका, श्री नानकमत्ता साहिब पुष्प वाटिका तथा सैनिक धाम पुष्प वाटिका विकसित की जा रही हैं। इन पुष्प वाटिकाओं में उक्त धामों से लाई गई मिट्टी डाली गई है।

राज्यपाल महोदय ने राजभवन में परंपरा के अनुसार ट्यूलिप बल्ब रोपित किए

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने राजभवन में ट्यूलिप पुष्प बल्ब का रोपण किया। ट्यूलिप की 7 प्रजातियों के 4000 बल्ब्स वसंतोत्सव 2022 तक पुष्पावस्था में रहेंगे। राज्यपाल महोदय ने कहा कि उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों में किसानों को ट्यूलिप के उत्पादन के लिए विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। दुनिया के सबसे महंगे फूलों की श्रेणी में शुमार ट्यूलिप की अंतरराष्ट्रीय बाजार में बहुत मांग है। उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्रों में इस चित्ताकर्षक फूल की व्यवसायिक खेती की अधिक से अधिक संभावनाएं तलाशी जानी चाहिए।

राज्यपाल महोदय के निर्देशानुसार राजभवन में इस वर्ष श्री बदरीनाथ धाम पुष्प वाटिका, श्री केदारनाथ धाम पुष्प वाटिका, श्री गंगोत्री धाम पुष्प वाटिका, श्री यमुनोत्री धाम पुष्प वाटिका, श्री हेमकुंड साहिब पुष्प वाटिका, श्री नानकमत्ता साहिब पुष्प वाटिका तथा सैनिक धाम पुष्प वाटिका विकसित की जा रही है। इन पुष्प वाटिकाओ में उक्त धामों से लाई गई मिट्टी डाली गई है।

राज्यपाल महोदय ने निर्देश दिए कि अन्य राज्यों में नेचुरल तथा ऑर्गेनिक खेती में हो रही बेस्ट प्रैक्टिसेज को राजभवन में प्रयोग के रूप में आरंभ किया जाए तथा राज्य के किसानों को इसके लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने उद्यान अधिकारी को इसके संबंध में एक कार्ययोजना शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए हैं। राज्यपाल महोदय ने जी.बी. पंत कृषि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर में विकसित किए जा रहे विभिन्न पौधों के बीजों को प्रयोग के तौर पर राजभवन में रोपण करने के निर्देश दिए ताकि भविष्य में राजभवन के माध्यम से आम लोगों व किसानों के लिए उनका प्रचार-प्रसार किया जा सके।

राज्यपाल महोदय का जनपद चम्पावत भ्रमण कार्यक्रम

राज्यपाल महोदय ने कहा - जनपद में वन्य उत्पादों एवं जड़ी बूटियों की संभावनाएं

उत्तराखंड के राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) अपने निर्धारित कार्यक्रमानुसार जनपद चम्पावत के बनबसा पहुंचे। राज्यपाल का जिलाधिकारी श्री विनीत तोमर, अपर जिलाधिकारी श्री शिवचरण द्विवेदी, एसडीएम श्री हिमांशु कफल्टिया समेत अन्य अधिकारियों द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया, साथ ही पुलिस टीम ने गार्ड ऑफ ऑनर द्वारा सलामी दी।

इसके उपरांत राज्यपाल महोदय बनबसा के शिव मंदिर पहुंचे। इसके बाद राज्यपाल एनएचपीसी के विश्राम गृह पंहुचे जहाँ उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले के बारे में विभिन्न जानकारियां लीं।

राज्यपाल ने एनएचपीसी गेस्ट हाउस में जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, वनाधिकारी, एसडीएम टनकपुर, मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला विकास अधिकारी के साथ बैठक कर जनपद में संचालित विभिन्न कार्यों, गतिविधियों, स्वास्थ्य व्यवस्थाओं, स्वरोजगार के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों, गतिविधियों के साथ ही कानून एवं शांति व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने सभी अधिकारियों से उनकी उपलब्धि एवं चुनौतियों की भी जानकारी प्राप्त कर कहा कि सभी अपनी ऊर्जा का पूर्ण उपयोग करते हुए जनपद की जनता के जीवन स्तर को सुधारें। बैठक के दौरान राज्यपाल ने कहा कि चम्पावत जिला एक सीमांत जनपद होने के साथ ही यहाँ की भौगोलिक परिस्थितियां अपने आप में अलग हैं, यहां पर सड़क कनेक्टिविटी के साथ ही संचार माध्यमों को बेहतर करना आवश्यक है, इस क्षेत्र में कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि जनपद में वन्य उत्पादों एवं जड़ी बूटियों की संभावनाएं पर्याप्त हैं जिसका सही ढंग से प्रयोग कर इससे जनता के रोजगार को भी जोड़ कर इससे लोगों के जीवन को सुविधाजनक बनायें।

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) बनबसा के शिव मंदिर में दर्शन के बाद पूर्व सैनिकों से मुलाकात करते हुए

बैठक के दौरान जिलाधिकारी श्री विनीत तोमर द्वारा राज्यपाल को जनपद चम्पावत जिले की भौगोलिक परिस्थितियों, संचालित कार्य, किए जा रहे अभिनव प्रयासों के साथ ही होने वाली विभिन्न समस्याओं, प्राकृतिक आपदा की घटनाओं व उनसे निपटने हेतु की जाने वाली विभिन्न व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से अवगत कराया। राज्यपाल ने जनपद के समस्त अधिकारियों से कहा कि जनपद के सीमांत होने के कारण अवैध घुसपैठ, नशीले पदार्थों की तस्करी जैसे अनेक अपराधों के बढ़ने की संभावना रहती है, इसलिए प्रशासन को पूरी तत्परता से इसके खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि चम्पावत में ईश्वर ने अनोखी सुंदरता प्रदान की है तथा अनेक गतिविधियां यहां संभव हैं जिससे लोगों को रूबरू कराकर इस क्षेत्र का विकास किया जा सकता है।

चिकित्सा के बारे में चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी सभी संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर चिकित्सा संबंधी चुनौतियों से निपटने का प्रयास करें। उन्होंने कोरोना के संभावित खतरों को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने लोगों को वैक्सीनेशन के प्रति उत्साह के साथ भागीदार बनाए जाने की कोशिशों की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि सभी लोगों को शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन के लिए प्रोत्साहित करें।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि चम्पावत के प्रति उनका खास लगाव है क्योंकि वह पूर्व में इस क्षेत्र में कार्य कर चुके हैं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि यहां की सुंदरता एवं यहां के लोगों के प्रेम भाव ने उन्हें हमेशा इस ओर आकर्षित किया है। इसके बाद उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों के साथ वार्ता की और उन्हें अपने स्तर से हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। राज्यपाल महोदय ने कहा कि उनकी जो भी समस्याएं हैं, उनसे उन्हें अवगत कराएं जिससे उनका निराकरण हो सके। इसके बाद स्थानीय लोगों ने राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं दी तथा अपनी समस्याओं से अवगत कराया।

बैठक में जिलाधिकारी श्री विनीत तोमर, एसपी देवेन्द्र पींचा, प्रभागीय वनाधिकारी तराई ईस्ट संदीप कुमार, अपर जिलाधिकारी श्री शिवचरण द्विवेदी, एसडीएम हिमांशु कफल्टिया, कमांडेंट 57वीं एसएसबी बटालियन सितारगंज, जीएम एनएचपीसी राजीव सचदेवा, डॉ के.के अग्रवाल, डीडीओ संतोष कुमार पंत तथा अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

हिल मेल के रैबार कार्यक्रम में राज्यपाल महोदय ने कहा सीडीएस जनरल बिपिन रावत हमारे देश के गौरव

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) ने ऋषिकेश में हिल मेल संस्था द्वारा आयोजित रैबार कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। सीडीएस जनरल बिपिन रावत को श्रद्धांजलि देते हुए उन्होंने कहा कि हम देवभूमि के उस महान बेटे को याद कर रहे हैं, जो अब हमारे बीच नहीं है। ऐसे वीर सपूत, लीडर, देशभक्त, इतिहास में कभी-कभी बिरले ही होते हैं। वे एक अलग किस्म के योद्धा थे। सीडीएस जनरल बिपिन रावत हमारे देश का गौरव थे। उनका जाना कुछ ऐसा है, जैसे हर किसी ने किसी अपने को खोया है। राज्यपाल ने कहा कि मैंने भी जनरल रावत के रूप में एक साथी को खोया है। एक एनडीए स्क्वैड्रन साथी का जाना, मेरे लिए भी निजी क्षति है। मैंने उनके साथ जम्मू-कश्मीर में ब्रिगेड कमांडर के रूप में काम किया था। उनके साथ मेरे फौजी जीवन की कई यादें जुड़ी हैं। उनसे मेरा गहरा और आत्मिक जुड़ाव था। ऐसे कई सौभाग्यशाली क्षण थे जब हमें साथ-साथ कार्य करने का अवसर मिला। मैंने उनसे फोन पर बात कर उत्तराखण्ड के स्थापना दिवस पर उन्हें राजभवन आने का निमंत्रण दिया। उन्होंने बताया कि उस दिन विदेश से कोई आर्मी चीफ भारत आ रहे है, लेकिन जनरल बिपिन रावत नौ नवंबर को राज्य स्थापना दिवस पर मधुलिका जी के साथ राजभवन पहुंच गए। उनका उत्तराखण्ड से बड़ा गहरा लगाव था। उनका जीवन और कार्य हम सबके लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने अपने जीवन का हर क्षण राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रभक्ति और देश की सेवा में समर्पित कर दिया। सच कहें तो उत्तराखण्ड और पौड़ी के सपूतों की बात ही अलग है।

वह देश के पहले सीडीएस थे। यह राष्ट्र का बहुत बड़ा कदम था। उन्होंने आर्म्ड फोर्सेस को जॉइंट और इंटीग्रेटेड किया। उन्होंने सेना के

रैबार उत्सव में राज्यपाल महोदय उत्तराखण्ड के युवाओं के स्व-उद्यम स्टॉल का अवलोकन करते हुए

मॉर्डनाइजेशन और ट्रांसफॉरमेशन के लिए काम किया। राज्यपाल ने कहा कि रैबार बड़ा ही खूबसूरत शब्द है। रिवर्स माइग्रेशन, महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, अपनी जड़ों से जुड़ने का रैबार जन-जन तक पहुंचना चाहिए। राज्यपाल महोदय ने कहा कि आज उत्तराखण्ड के लोगों ने देश-दुनिया में अपने काम से अलग पहचान बनाई है। 21 साल पूरे कर चुका उत्तराखण्ड अब एक युवा राज्य है और विकास के रास्ते पर रफ्तार पकड़ने को बेकरार है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी हाल ही में केदारनाथ से कहा था कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखण्ड का होगा। यहां हो रहे विकास कार्यों को देखकर ऐसा नजर भी आता है। राज्य सरकार भी यहां विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ा रही है। इंफ्रास्ट्रक्चर पर काफी काम हो रहा है और आने वाले दिनों में इसके परिणाम भी सामने आएंगे। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड सैनिकों की भूमि है, वीर योद्धाओं की भूमि है। यहां ऐसा कोई घर नहीं है, जिसका किसी सैनिक से रिश्ता न हो। राज्यपाल महोदय ने कहा कि राज्य के गवर्नर की जिम्मेदारी संभालने के बाद मैंने यही कोशिश की है कि पूर्व सैनिकों से ज्यादा से ज्यादा संवाद कर सकूं। राजभवन देश की सेवा करने वाले सैनिकों के लिए हमेशा खुला है।

रैबार उत्सव में राज्यपाल महोदय ने उत्तराखण्ड के युवाओं को रिवर्स माईग्रेशन के लिए प्रेरित किया

उत्तराखण्ड अंतर्राष्ट्रीय सीमा से सटा राज्य है। ऐसे में यहां सीमांत इलाकों में काफी काम करने की जरूरत है। अब तेजी से सीमांत इलाकों में सडकें बन रही हैं। वहां लोगों तक मूलभूत सुविधाएं पहुंच रही हैं। यह इसलिए भी जरूरी है कि सीमांत इलाकों में रहने वाले लोग हमारे फर्स्ट लाइन डिफेंस होते हैं। वहां से पलायन किसी भी हाल में नहीं होना चाहिए। कोशिश इस बात की होनी चाहिए कि जो पलायन कर चुके हैं, उन्हें फिर से वापस लाया जाए। उन्होंने कहा कि आज भारत में रोड कनेक्टिविटी के क्षेत्र में क्रांति हो रही है। उत्तराखण्ड के विकास और प्रगति में कनेक्टिविटी की अहम भूमिका है। राज्य में जहां सड़क मार्ग से नहीं पहुंचा जा सकता, वहां पर रोपवे का विकास किया जा रहा है। उत्तराखण्ड धार्मिक आस्था का केंद्र भी है। चारधाम रोड का काम पूरा होने के बाद दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक केंद्र बन जाएगा।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री सुबोध उनियाल, एनटीआरओ के चेयरमैन श्री अनिल धस्माना, श्री राजेंद्र सिंह, केंद्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड के चेयरमैन श्री प्रसून जोशी आदि उपस्थित थे।

राज्यपाल महोदय का उधमसिंह नगर दौरा, कहा - उधमसिंह नगर बने कृषि क्रांति का केन्द्र

राज्यपाल ले.ज. श्री गुरमीत सिंह (से.नि.) अपने जनपद संवाद कार्यक्रम के तहत् उधमसिंह नगर पहुंचे। वहां उन्होंने कहा कि उधमसिंह नगर देश और दुनिया को कृषि क्रांति व बीज क्रांति का संदेश देगा। यहां से कृषि क्षेत्र में होने वाली रिसर्च तथा टेक्नोलॉजी का संदेश भी पूरी दुनिया में जाएगा। उधमसिंह नगर जिला प्राकृतिक खेती एवं ऑर्गेनिक फार्मिंग केंद्र बन सकता है।

राज्यपाल महोदय ने तराई भवन अतिथि गृह, पंतनगर में जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों से जनपद उधम सिंह नगर में संचालित विकास कार्यों, संचालित परियोजना समस्याओं तथा चुनौतियों के बारे में विस्तृत चर्चा की।

तराई भवन अतिथि गृह, पंतनगर में उधम सिंह नगर जिले के भूतपूर्व सैनिकों के प्रतिनिधिमंडल के साथ राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि)

राज्यपाल महोदय ने अधिकारियों से कहा कि उधमसिंह नगर से कृषि क्षेत्र में क्या क्रांति लाई जा सकती है, इस पर प्रशासन को एक रूपरेखा तैयार करनी चाहिए। जिले में होने वाली बेस्ट प्रैक्टिसेज को पूरे राज्य तथा देश में विस्तारित किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि राज्य में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को सम्मानित किया जाना चाहिए। राजभवन जल्द ही इस क्षेत्र में पहल करेगा। राज्य की थारू तथा बुक्सा जनजाति के लोगों को मशरूम उत्पादन, पोल्ट्री, जैविक कृषि जैसे कार्यों से जोड़ा जाना चाहिए।

राज्यपाल महोदय ने अधिकारियों से उधमसिंह नगर जिले की चुनौतियों पर भी चर्चा की। राज्यपाल ने कहा कि उधमसिंह नगर जिला सीमांत जिला है। पुलिस और प्रशासन को आने वाली चुनौतियों के लिए क्षमता विकास करना होगा। पुलिस विभाग को अपराधों के बदलती हुई प्रवृत्तियों तथा पेटर्न्स को समझना होगा। अपराधों को रोकने के लिए प्रोएक्टिव पुलिस, प्रिएक्टिव पुलिस, प्रीवेंटिव पुलिस की अवधारणा पर काम करना होगा। उधमसिंह नगर जिले की सीमा से लगे उत्तर प्रदेश के पांच जिलों की पुलिस तथा प्रशासन से भी निरंतर समन्वय बनाना होगा।

राज्यपाल ने कहा कि उधमसिंह नगर जिला एक बहु सांस्कृतिक, बहुभाषी तथा विभिन्न समुदायों की आबादी का जिला है। यहां का सामाजिक सौहार्द तथा आपसी भाईचारा राज्य ही नहीं पूरे देश के लिए आदर्श और प्रेरणा स्रोत है। राज्यपाल ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से जिले में तैनात कुल पुलिसकर्मियों में महिला पुलिसकर्मियों के योगदान के बारे में जानकारी प्राप्त की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जनपद में तीस प्रतिशत पुलिस महिलाकर्मी हैं। इसके साथ ही राज्यपाल महोदय ने राज्य में संचालित महिला स्वयं सहायता समूह के बारे में जानकारी ली। राज्यपाल महोदय ने कहा कि उत्तराखण्ड के आर्थिक सशक्तिकरण, विकास तथा रिवर्स माइग्रेशन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सबसे अधिक भरोसा यहां की महिलाओं पर ही किया जा सकता है। वास्तव में राज्य की महिलाओं के कंधों पर ही राज्य के विकास का उत्तरदायित्व है। राज्य की महिलाएं पर्वतीय क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में क्रांति कर रही है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि उधमसिंह नगर जिले में स्थित नानकमत्ता साहिब धार्मिक एवं सामाजिक सौहार्द्र का महान संदेश दे रहा है।

उधमसिंह नगर जनपद भ्रमण के दौरान महिला समूह के साथ राज्यपाल महोदय